page 1 and 8 jan 13_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/13/2026 1:38 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 हेरोइन के साथ एक नशीले पदार्थ तस्कर किया गिरफ्तार

5 महिला प्रीमियर लीग : नंदनी शर्मा ने की दीप्ति शर्मा की बराबरी

8 लोहड़ी और मकर संक्रांति पर विशेष है तिल फसल का महत्व

मौसम जम्मू — न्यूनतम 5 — अधिकतम 15

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-11 | जम्मू तवी, मंगलवार 13 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत और जर्मन में रक्षा, प्रौद्योगिकी और व्यापारिक सहयोग पर जोर

नई दिल्ली, 12 जनवरी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच सोमवार को गांधीनगर (गुजरात) में बैठक हुई। इस दौरान भारत और जर्मनी के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती देने के लिए रक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, ऊर्जा और जन-जन संपर्क सहित अनेक क्षेत्रों में व्यापक समझौते हुए और बाद में कई घोषणाएं की गईं। दोनों देशों ने रक्षा औद्योगिक सहयोग, आर्थिक सहयोग के लिए सीईओ फोरम, सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम, क्रिटिकल मिनरल्स, दूरसंचार और उभरती तकनीकों में साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त घोषणापत्रों की नई फंडिंग जैसी महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की गईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमंत्रण पर चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने 12-13 जनवरी को भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। विदेश मंत्रालय का कहना है कि यह उनकी भारत की पहली और चांसलर बनने के बाद एशिया की भी पहली यात्रा थी, जो भारत को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में जर्मनी के एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार के रूप में दिए गए महत्व को दर्शाती है। चांसलर मर्ज के साथ 23 प्रमुख जर्मन सीईओ और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया। दोनों नेताओं के बीच आज सीमित और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। बातचीत में साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति बनी। रक्षा और सुरक्षा सहयोग को गहरा करने पर जोर दिया गया। सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण, रक्षा उद्योग सहयोग, नौसैनिक सहयोग और नई 'ट्रैक 1.5 विदेश नीति एवं सुरक्षा संवाद' की स्थापना का स्वागत किया गया। दोनों नेताओं ने आतंकवाद की कड़ी निंदा करते हुए सीमा-पार आतंकवाद सहित सभी रूपों में आतंक के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की प्रतिबद्धता दोहराई। पर सहमति जताई। हरित हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया, नवीकरणीय ऊर्जा और जैव-अर्थव्यवस्था में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए समझौते हुए। आयुर्वेद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा, कौशल विकास और स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सहयोग को विस्तार दिया गया। सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के संबंधों को मजबूत करने हेतु खेल, डाक सेवाएं, समुद्री विरासत और युवा हॉकी विकास पर समझौते किए गए। इसके अलावा, भारतीय पासपोर्ट धारकों के लिए जर्मनी में वीज़ा-फ्री ट्रांजिट, इंडो-पैसिफिक संवाद, डिजिटल डायलॉग और हरित विकास के लिए 1.24 अरब यूरो

सकारात्मक बदलाव के लिए कला की शक्ति का उपयोग करें : युवाओं से बोले सिन्हा

जम्मू तवी, 12 जनवरी। युवाओं से सकारात्मक परिवर्तन के लिए कला की शक्ति का उपयोग करने का आह्वान करते हुए, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि कला समाज का दर्पण भी है और मार्गदर्शक भी। यहां कला केंद्र में केसर आर्ट सर्कल के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा,कला समाज का दर्पण भी है और मार्गदर्शक भी। युवाओं को कला को अपनी सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण का माध्यम बनाना चाहिए, ताकि वे अपनी जड़ों से जुड़े रहें और विकसित भारत के विजन में योगदान दे सकें। उन्होंने कहा,आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जड़ों से लेकर नए रचनात्मक क्षितिज तक, जम्मू-कश्मीर को एक कला केंद्र के रूप में पुनः कल्पित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस प्रयास में मैं चित्रकारों और लेखकों से जम्मू-कश्मीर केंद्र

शासित प्रदेश के कलात्मक भविष्य के निर्माण में योगदान की अपेक्षा करता हूं। उपराज्यपाल ने इस बात पर बल दिया कि पवित्र विरासत का संरक्षण भविष्य के निर्माण की नींव है। उन्होंने कहा,जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आत्मा को वैश्विक कला केंद्र में परिवर्तित करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। मेरा मानना है कि कला विविध संस्कृतियों को जोड़ने का सेतु है और हमारी प्राचीन आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने का माध्यम भी है। उपराज्यपाल सिन्हा ने कलाकारों, विचारकों, चित्रकारों और मूर्तिकारों की महत्वपूर्ण भूमिका को समाज की अंतरात्मा बताते हुए कहा कि वे लोकतंत्र और राष्ट्र के विकास की यात्रा में जनभागीदारी को प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि चित्रकला और मूर्तिकला जैसी कलाएं मात्र मनोरंजन या विलासिता नहीं हैं, बल्कि वे सशक्त शक्तियां हैं जो यह निर्धारित करती हैं कि समाज कैसे सोचता है और आगे कैसे बढ़ता है। मानव सभ्यता के पूरे इतिहास में कला ने उन भावनाओं को आवाज दी है जो भाषा की सीमाओं से परे हैं, जिससे सहानुभूति और सामाजिक एकता को बढ़ावा मिला है। उन्होंने युवाओं से सकारात्मक बदलाव के लिए कला की शक्ति का उपयोग करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने एक चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और विभिन्न कलाकारों को सम्मानित भी किया। उपराज्यपाल ने प्रसिद्ध चित्रकार एवं केसर आर्ट सर्कल के

> "जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आत्मा को वैश्विक कला केंद्र में परिवर्तित करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी

संस्थापक भूषण केसर को भी सम्मानित किया। उन्होंने हजारों कलाकारों को प्रशिक्षित एवं मार्गदर्शन देकर वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय सफलता दिलाने में भूषण केसर के असाधारण योगदान की सराहना की। इस कार्यक्रम में पद्म डॉ. एस.पी. वर्मा; बृज मोहन शर्मा, प्रधान सचिव संस्कृति; श्रुति अवस्थी, क्षेत्रीय निदेशक, आईजीएनसीए; के.के. सिधा, निदेशक अभिलेखागार; हरविंदर कौर, सचिव जेकेएएसीएल; डॉ. जावेद राही, सचिव, कला केंद्र जम्मू; वरिष्ठ अधिकारी, प्रख्यात कलाकार तथा विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिक उपस्थित थे।

लोहड़ी और मकर संक्रांति के अवसर पर उपराज्यपाल की शुभकामनाएँ

जम्मू, 12 जनवरी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 13 जनवरी को पड़ने वाली लोहड़ी और 14 जनवरी को पड़ने वाली मकर संक्रांति के अवसर पर जनता को शुभकामनाएँ दी हैं।

अपने संदेश में उपराज्यपाल ने कहा,लोहड़ी और मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर मैं सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ और उनके अच्छे स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि की कामना करता हूँ। मैं प्रार्थना करता हूँ कि यह त्योहारी मौसम और आने वाला वर्ष शांति और आनंद से भरा हो और हम सभी को सभी की प्रगति और कल्याण के लिए काम करने के लिए प्रेरित करे।

नई फसल की खुशी, हमारे किसानों के अथक परिश्रम और प्रकृति की उदारता का सम्मान करने वाले ये त्योहार हमारे राष्ट्र के लिए नई समृद्धि, विकास और प्रगति लेकर आएँ।

सभी सरकारी स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालयों की कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के लिए मुख्य सचिव ने 15 फरवरी की समय सीमा तय की

जम्मू, 12 जनवरी । मुख्य सचिव अटल दुल्लू ने आज जम्मू-कश्मीर के सभी सरकारी स्कूलों में छात्राओं के लिए शौचालय सुविधाओं की उपलब्धता और कार्यक्षमता की समीक्षा की।

बैठक में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव, स्कूल शिक्षा निदेशक, मुख्य अभियंता और अन्य वरिष्ठ संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

समीक्षा के दौरान, मुख्य सचिव ने छात्राओं के लिए पर्याप्त स्वच्छता सुविधाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के तहत निर्मित बुनियादी ढांचे का आकलन किया और इस बात पर जोर दिया कि स्वच्छ और कार्यात्मक शौचालयों तक पहुंच स्कूलों में छात्राओं की उपस्थिति, स्कूल में बने रहने और सम्मान को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कारक है।

मुख्य सचिव ने निर्मित शौचालयों की संख्या, निर्माणाधीन शौचालयों और उनकी वर्तमान कार्यक्षमता का विस्तृत आकलन किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल बुनियादी ढांचे का निर्माण ही पर्याप्त नहीं है और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया कि सभी मौजूदा शौचालय पूरी तरह से कार्यात्मक हों, जिनमें पानी की आपूर्ति और अन्य संबंधित सुविधाएं सुनिश्चित हों।

समयसीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए, मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि लड़कियों के शौचालयों के निर्माण और उन्नयन से संबंधित सभी चल रहे कार्य 15 फरवरी तक पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने विद्यालय शिक्षा विभाग को यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि पहले से निर्मित शौचालय निर्धारित समय सीमा से पहले हर तरह से चालू हो जाएं।

जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, मुख्य सचिव ने विद्यालय शिक्षा विभाग और सड़क एवं भवन विभाग दोनों के अधिकारियों से मिलकर क्षेत्रीय समितियों के गठन का आदेश दिया। ये समितियां विद्यालयों का संयुक्त निरीक्षण करके कमियों की पहचान करेंगी, मरम्मत और सुधार की आवश्यकताओं का आकलन करेंगी और सुविधाओं को पूर्णतः कार्यशील बनाने के लिए आवश्यक कार्यों के निष्पादन की निगरानी करेंगी। मुख्य सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि स्वच्छ और कार्यशील स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच एक सुरक्षित, समावेशी और बालिका-अनुकूल शिक्षण वातावरण बनाने के लिए आवश्यक है और सुविधाओं के समय पर पूरा होने और सतत रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए अंतर-विभागीय समन्वय और निरंतर निगरानी का आह्वान किया। बैठक के दौरान, अतिरिक्त मुख्य सचिव, पीडब्लू, श्री अनिल कुमार सिंह ने बताया कि विभाग सभी सौंपे गए कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकार वित्तीय बाधाओं के बावजूद पिछले साल शुरू किए गए बजट ढांचे को जारी रखेगी: मुख्यमंत्री अब्दुल्ला

जम्मू, 12 जनवरी । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि वित्तीय बाधाओं के बावजूद सरकार पिछले वर्ष शुरू किए गए बजट ढांचे को जारी रखेगी, चल रही योजनाओं की प्रगति सुनिश्चित करेगी और विकास को गति देने के लिए नई पहल शुरू करेगी। उन्होंने प्रस्तावित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) को लेकर जम्मू के साथ भेदभाव के आरोपों को भी खारिज कर दिया और सवाल किया कि जब इस क्षेत्र में आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रमुख संस्थान स्थापित किए गए थे तब इस तरह की चिंताएं पहले क्यों नहीं उठाई गईं। जम्मू जिले की व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद यहां पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनवरी और फरवरी बड़े फैसले लेने का सही समय नहीं है क्योंकि अभी किया गया कोई भी आवंटन मार्च में समाप्त हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, "हमने बैठक में समीक्षा की है। प्रमुख निर्णय अगले वर्ष के बजट में शामिल किए जाएंगे। जिले को आवंटित धनराशि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पहले ही उपयोग किया जा चुका है जबकि हम छोटी-मोटी कमियों को दूर कर रहे हैं। अब्दुल्ला वजारत रोड स्थित अपने आधिकारिक आवास से उपायुक्त कार्यालय स्थित बैठक स्थल तक लगभग आधा किलोमीटर पैदल चलकर पहुंचे। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, मंत्रिमंडल के मंत्री, मुख्य

सचिव अटल धुलू और जम्मू जिले के विधायक उपस्थित थे। केंद्र सरकार से जितनी मदद मिले, उतना अच्छा होगा क्योंकि जम्मू-कश्मीर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। हम पिछले साल के बजट ढांचे को जारी रखेंगे, चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाएंगे और कुछ नई पहल शुरू करेंगे, मुख्यमंत्री ने कहा। उन्होंने बजट को लेकर धैर्य रखने का आग्रह करते हुए कहा, यह संभव नहीं है कि मैं यहां खड़ा होकर आपको बजट के बारे में बताने लगूं।" जम्मू के साथ भेदभाव के आरोपों और भाजपा की प्रस्तावित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) को कश्मीर से जम्मू स्थानांतरित करने की मांग के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि जब जम्मू को आईआईटी और आईआईएम मिले तो कश्मीर को क्या मिला।

किसान सभा ने 46वां स्थापना दिवस मनाया, एक दिवसीय किसान सम्मेलन आयोजित

जम्मू, 12 जनवरी। किसान सभा ने अपने 46वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुठी, जम्मू में एक दिवसीय किसान कन्वेंशन का आयोजन किया। इसमें जम्मू प्रांत के लगभग सभी जिलों से किसानों ने भाग लिया। कन्वेंशन की अध्यक्षता प्रेसीडियम ने की, जिसमें हरि चंद जलमेरिया (अध्यक्ष), डॉ. घनश्याम चरक (उपाध्यक्ष), दीवान चंद (महासचिव), शंकर सिंह चिब, मोहन सिंह भट्टी, अशफाक राना और जोगिंदर सिंह शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सतनाम सिंह अजनाला (अध्यक्ष, जम्हूरी सभा, पंजाब) थे।

कन्वेंशन का उद्घाटन करते हुए हरि चंद जलमेरिया ने किसान सभा की 45 वर्षों की संघर्षपूर्ण यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसान सभा के आंदोलनों के चलते 1986, 1990 और 1996 में

सरकार को ओलावृष्टि और भारी बारिश से हुए नुकसान के लिए किसानों को मुआवजा देना पड़ा। उन्होंने किसानों की उपज को उचित मूल्य न मिलने, बीज-खाद और कृषि उपकरणों की बढ़ती लागत, लाभकारी विपणन की कमी तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दबाव में अपनाई जा रही कथित किसान-विरोधी नीतियों की आलोचना की। उन्होंने खेती पर बढ़ते बंदर और जंगली सूअर के खतरे, सिंचाई की उपेक्षा और किसानों के बच्चों में बढ़ती बेरोजगारी पर भी चिंता जताई।

मुख्य अतिथि डॉ. अजनाला ने राष्ट्रीय स्तर पर किसानों के संघर्षों का उल्लेख करते हुए केंद्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित न किए जाने की आलोचना की।

कन्वेंशन में विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार रखे और अंत में कई प्रस्ताव पारित किए, जिनमें बाढ़ प्रभावित किसानों को तत्काल राहत, किसानों की उपज का लाभकारी मूल्य और एमएसपी सुनिश्चित करना, किसानों के बच्चों के लिए रोजगार योजनाएं, बंदर-सूअर के बढ़ते प्रकोप पर नियंत्रण, कृषि भूमि के गैर-कृषि उपयोग पर रोक, सिंचाई व्यवस्था में सुधार, अवैध खनन पर रोक तथा भूमि अधिग्रहण पर उचित और समयबद्ध मुआवजा देने की मांग प्रमुख रही।

जम्मू में भीषण ठंड और घने कोहरे के कारण दृश्यता हुई कम, जनजीवन और परिवहन व्यवस्था प्रभावित

जम्मू, 12 जनवरी । सोमवार सुबह जम्मू भर में भीषण ठंड का मौसम रहा और घने कोहरे के कारण दृश्यता कम हो गई जिससे जनजीवन और परिवहन व्यवस्था प्रभावित हुई। सुबह के समय कम दृश्यता के चलते शहर की सड़कों पर वाहनों की आवाजाही धीमी रही और सामान्य सुबह की तुलना में कम वाहन दिखाई दिए। यातायात अधिकारियों ने बताया कि कोहरे के कारण कई क्षेत्रों में विशेष रूप से प्रमुख सड़कों और शहर के प्रवेश द्वारों पर दृश्यता कम होने के कारण वाहन चालक सावधानी से गाड़ी चला रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि कोहरे की स्थिति ने जम्मू हवाई अड्डे पर हवाई यातायात को भी प्रभावित किया जिससे निर्धारित उड़ानों में देरी हुई। घने कोहरे के कारण कम दृश्यता के चलते सोमवार सुबह जम्मू से श्रीनगर, जम्मू से दिल्ली और जम्मू से इंदौर जाने वाली तीन उड़ानें विलंबित हुईं। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सुबह के समय परिचालन प्रभावित हुआ और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मौसम की स्थिति के अनुसार उड़ानों की आवाजाही

में बदलाव किया गया। यात्रियों को अद्यतन समय सारिणी के लिए एयरलाइंस से संपर्क करने की सलाह दी गई। मौसम अधिकारियों ने बताया कि जम्मू क्षेत्र में सर्दियों की सुबह के दौरान ऐसी स्थितियां आम हैं और तापमान और नमी के स्तर के आधार पर ये रुक-रुक कर जारी रह सकती हैं। अधिकारियों ने कहा कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और यात्रियों से सुबह के समय घने कोहरे के बीच यात्रा करते समय सावधानी बरतने का आग्रह किया है।

जम्मू कश्मीर शिक्षा बोर्ड 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षा का परिणाम 14 जनवरी, 2026 को करेगा घोषित: सकीना इटू

श्रीनगर, 12 जनवरी । जम्मू और कश्मीर शिक्षा बोर्ड (जेकेबीओएसई) 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षा का परिणाम 14 जनवरी, 2026 (बुधवार) को घोषित करेगा। मीडिया से बात करते हुए शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने बताया कि सरकार ने 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं के परिणाम एक ही दिन घोषित करने का निर्णय लिया है। सकीना इटू ने बताया, "हम समझते हैं कि छात्र परिणामों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसलिए हमने दोनों कक्षाओं के परिणाम बुधवार को घोषित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि परिणाम घोषणा समिति (आरडीसी) की बैठक जेकेबीओएसई के सचिव द्वारा कश्मीर और जम्मू मंडल के शिक्षा निदेशक (डीएसई) और संयुक्त सचिवों सहित अन्य सदस्यों के साथ बुलाई जाएगी। उन्होंने बताया, हम अध्यक्ष से अनुमोदन लेने के बजाय परिणाम को प्रशासनिक मंजूरी देंगे। यह घोषणा जेकेबीओएसई के अध्यक्ष की नियुक्ति में हो रही देरी के बीच आई है क्योंकि यह पद पिछले एक साल से खाली पड़ा है। शिक्षा मंत्री ने कहा, "परिणाम घोषित होने के बाद हम जेकेबीओएसई के स्थायी अध्यक्ष की नियुक्ति भी करेंगे। जम्मू-कश्मीर पुलिस बल (जेकेबीओएसई) के एक अधिकारी ने बताया कि कक्षा 10 का परिणाम बुधवार सुबह घोषित किया जाएगा जिसके बाद उसी दिन दोपहर बाद कक्षा 12 के छात्रों का परिणाम घोषित किया जाएगा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष कक्षा 10 की जेकेबीओएसई परीक्षा के लिए 94783 छात्रों ने पंजीकरण कराया था जिनमें कश्मीर से 68804 और जम्मू संभाग के शीतकालीन क्षेत्रों से 25,224 छात्र, कारगिल से 660 और लेह जिले से 95 छात्र शामिल थे। कक्षा 11वीं और 12वीं की परीक्षाएं क्रमशः 19 नवंबर और 8 नवंबर 2025 को निर्धारित थीं।

एलजी लद्दाख ने आईआईएम जम्मू में अंतरराष्ट्रीय चित्रकला संगोष्ठी 2026 का उद्घाटन किया

कहा—युवा ही विकसित भारत 2047 के शिल्पकार

जम्मू, 12 जनवरी। लद्दाख के उपराज्यपाल श्री कविंदर गुप्ता ने सोमवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) जम्मू में अंतरराष्ट्रीय चित्रकला संगोष्ठी 2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने भावी पीढ़ी के लिए सामाजिक रूप से जिम्मेदार और भविष्य के लिए तैयार नेतृत्व विकसित करने हेतु उच्च शिक्षा में कला, रचनात्मकता और समग्र शिक्षण के समावेशन के महत्व पर बल दिया। 12 से 17 जनवरी तक आईआईएम जम्मू परिसर में आयोजित हो रही इस सप्ताह भर की संगोष्ठी में देश-विदेश के प्रख्यात चित्रकार भाग ले रहे हैं। इस आयोजन ने प्रबंधन शिक्षा के इस प्रमुख संस्थान को रचनात्मक संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के जीवंत केंद्र में बदल दिया है। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि यह संगोष्ठी केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि शिक्षा, रचनात्मकता

और वैश्विक सहभागिता का सार्थक संगम है। उन्होंने विश्वस्तरीय अवसंरचना, सशक्त शैक्षणिक परिवेश और हरित परिसर दर्शन के माध्यम से स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए आईआईएम जम्मू की सराहना की और इसे एक भविष्य-उन्मुख ज्ञान संस्थान बताया। श्री कविंदर गुप्ता ने कहा कि सच्ची शिक्षा केवल बौद्धिक विकास तक सीमित नहीं होती, बल्कि मन और आत्मा को भी समृद्ध करती है।

डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू को उत्तर भारत का प्रमुख व्यापारिक केंद्र बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई

जम्मू, 12 जनवरी । जम्मू और कश्मीर राष्ट्रीय सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को जम्मू को उत्तर भारत के एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र के रूप में विकसित करने की पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराया और क्षेत्र की उभरती क्षमता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने ये टिप्पणियां नरवाल जम्मू की फल मंडी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ एक संवाद सत्र के दौरान कीं जिन्होंने स्थानीय फल व्यापार के विकास के संबंध में अपनी चिंताओं और सुझावों को व्यक्त किया। डॉ.

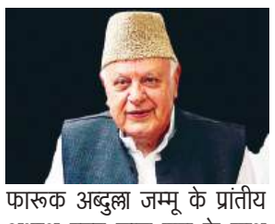

फारूक अब्दुल्ला जम्मू के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता के साथ फल मंडी एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा हार्दिक स्वागत किया गया। इस दौरे के दौरान उन्होंने राज कुमार गुप्ता और एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारियों के साथ स्थानीय फल व्यापार और संबंधित बुनियादी ढांचे से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

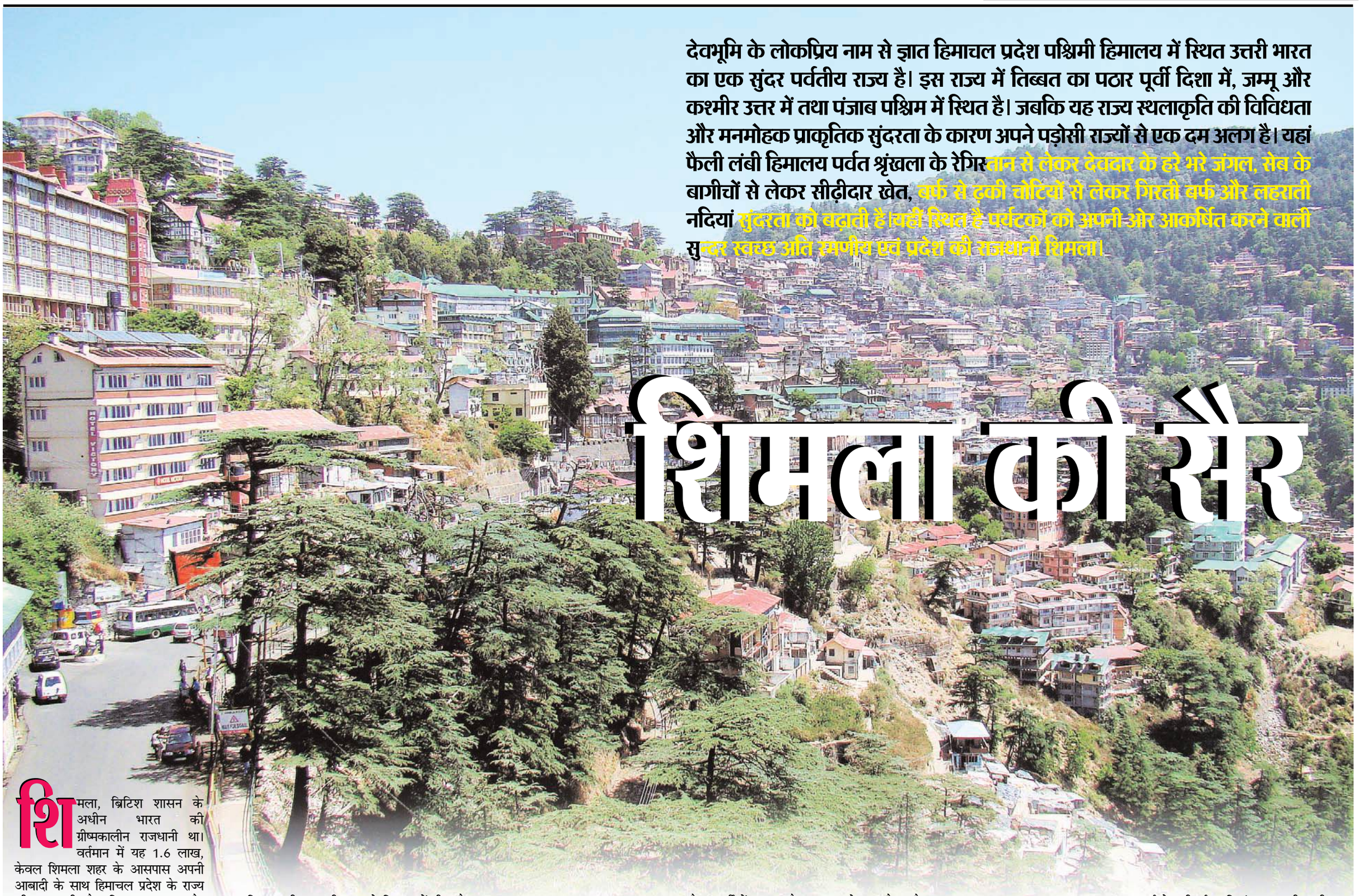

देवभूमि के लोकप्रिय नाम से ज्ञात हिमाचल प्रदेश पश्चिमी हिमालय में स्थित उत्तरी भारत का एक सुंदर पर्वतीय राज्य है। इस राज्य में तिब्बत का पठार पूर्वी दिशा में, जम्मू और कश्मीर उत्तर में तथा पंजाब पश्चिम में स्थित है। जबकि यह राज्य स्थलाकृति की विविधता और मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता के कारण अपने पड़ोसी राज्यों से एक दम अलग है। यहां फैली लंबी हिमालय पर्वत श्रृंखला के रेगिस्तान से लेकर देवदार के हरे भरे जंगल, सेब के बागीचों से लेकर सीढ़ीदार खेत, बर्फ से ढकी चोटियों से लेकर गिरती बर्फ और लहराती नदियां सुंदरता को बढ़ाती है।यहीं स्थित है पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करने वाली सुन्दर स्वच्छ अति रमणीय एवं प्रदेश की राजधानी शिमला।

शिमला की सैर

शिमला, ब्रिटिश शासन के अधीन भारत की ग्रीष्मकालीन राजधानी था। वर्तमान में यह 1.6 लाख, केवल शिमला शहर के आसपास अपनी आबादी के साथ हिमाचल प्रदेश के राज्य की राजधानी है। शिमला भारत और पाकिस्तान के बीच प्रसिद्ध शिमला संधि जो यहाँ हस्ताक्षर किए गए थे के रूप में कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं को देखा है। जगह भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता, वास्तुशिल्प इमारतों, लकड़ी के शिल्प और सेब के लिए प्रसिद्ध है।

हिमाचल प्रदेश की राजधानी और ब्रिटिश कालीन समय में ग्रीष्म कालीन राजधानी शिमला राज्य का सबसे महत्वपूर्ण पर्यटन केन्द्र है। यहां का नाम देवी श्यामला के नाम पर रखा गया है जो काली का अवतार है। शिमला लगभग 7267 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और यह अर्ध चक्र आकार में बसा हुआ है, जहां पूरे वर्ष ठण्डी हवाएं बहने का वरदान है। यहां घाटी का सुंदर दृश्य दिखाई देता है और महान हिमालय पर्वती की चोटियां चारों ओर दिखाई देती है। इसके उत्तर में बर्फ मानों क्षितिज तक जमी हुई है। यहां ठण्डी हवाएं बहती है और ओक तथा रोडोडेंड्रॉन के वनों से गुजरती हैं। शिमला का सुखद मौसम, आसानी से पहुंच और ढेरों आकर्षण इसे उत्तर भारत का एक सर्वाधिक लोकप्रिय पर्वतीय स्थान बना देते हैं। शिमला की खूबसूरती विदेशी सैलानियों को भी अपनी ओर आकर्षित करने के लिए कई आकर्षक खूबियां अपने आगोश में समेटे हुए है। वैसे तो शिमला जाने के लिए ट्रेन, हिमाचल प्रदेश की बसें, हवाई जहाज तथा अपने निजी वाहनों से भी वहां तक पहुंचा जा सकता है। कालका - शिमला के बीच चलने वाली ट्रेन भी आकर्षक और सुन्दर है जो यात्रियों को शिमला पहुंचने में काफी आरामदायक साधन है।

शिमला की बात की जाए तो शिमला में ही घूमने के लिए कई जगह हैं। शिमला की माल रोड का नजारा सर्दियों में अनोखा ही है। यहां पर्यटकों को इस रोड पर काफी आनंद मिलता है। इस रोड पर खाने-पीने की चीजों के अलावा पहनने के लिए कपड़े, घुड़सवारी और फोटो सेशन के लिए कई सुन्दर जगह हैं। मालरोड पर स्थित चर्च देखने लायक है जो सदियों पुराना है। शिमला के आसपास भी घूमने लायक कई सुन्दर और रमणीक स्थल हैं जिन्हें बस देखते ही बनता है। इनमें चम्बा घाटी, डलहौजी पर्वतीय स्थान जो दुनिया की कई नई पुरानी चीजों से भरा पड़ा है। यहां राजशाही युग की भव्यता चारों ओर दिखाई देती है जो कई किलो मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।

चम्बा घाटी

915 मीटर की ऊंचाई पर रवि नदी के दाएं किनारे पर स्थित है चम्बा घाटी। पुराने समय में राजशाही का राज्य होने के नाते यह लगभग एक शताब्दी पुराना राज्य है और 6वीं शताब्दी से इसका इतिहास मिलता है। यह अपनी भव्य वास्तुकला और अनेक रोमांचक यात्राओं के लिए एक आधार के तौर पर विख्यात है। ठण्ड के मौसम में ठण्डी हवाओं के कारण यहां का तापमान बहुत कम हो जाता है और इसलिए यहां भारी ऊनी कपड़ों की जरूरत नहीं है। यहां का मौसम गर्मी में अच्छा और खुशनुमा हो जाता है।

डलहौजी

पश्चिमी हिमाचल प्रदेश में डलहौजी नामक यह पर्वतीय स्थान पुरानी दुनिया की चीजों से भरा पड़ा है और यहां राजशाही युग की भाव्यता बिखरी पड़ी है। यह लगभग 14 वर्ग किलो मीटर फैला है और यहां काठ लोग, पात्रे, तेहरा, बकरोटा और बलूम नामक 5 पहाड़ियां हैं। इसे 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश गवर्नर जनरल, लॉड डलहौजी के नाम पर बनाया गया था। इस कस्बे की ऊंचाई लगभग 525 मीटर से 2378 मीटर तक है और इसके आस पास विविध प्रकार की वनस्पति पाइन, देवदार, ओक और फूलों से भरे हुए रोडो डेंड्रॉन पाए जाते हैं। डलहौज़ी में मनमोहक उपनिवेश युगीन वास्तुकला है जिसमें कुछ सुंदर गिरजाघर शामिल हैं। यह मैदानों के मनोरम दृश्यों को प्रस्तुत करने के साथ एक लंबी रजत रेखा के समान दिखाई देने वाले रावी नदी के साथ एक अद्भुत दृश्य प्रदर्शित करता है जो घूम कर डलहौजी के नीचे जाती है। बर्फ से ढका हुआ धोलाधार पर्वत भी इस कस्बे से साफदिखाई देता है।

कुफरी

अनंत दूरी तक चलता आकाश, बर्फसे ढकी चोटियां, गहरी घाटियां और मीठे पानी के झरने, कुफरी में यह सब है और इसके अलावा भी बहुत कुछ। यह पर्वतीय स्थान शिमला के पास समुद्री तल से 2510 मीटर की ऊंचाई पर हिमाचल प्रदेश के दक्षिणी भाग में स्थित है। यह आपको रोमांच और साहस की जादू भरी दुनिया में ले जाता है। कुफरी में ठण्ड के मौसम में अनेक खेलों का आयोजन किया जाता है जैसे स्काइंग और टोबोगेनिंग के साथ चढ़ाईयों पर चढ़ना। ठण्ड के मौसम में हर वर्ष खेल कार्निवाल आयोजित किए जाते हैं और यह उन पर्यटकों के लिए एक बड़ा आकर्षण है जो केवल इन्हें देखने के लिए यहां आते हैं। यह स्थान ट्रेकिंग और पहाड़ी पर चढ़ने के लिए भी जाना जाता है जो रोमांचकारी खेल प्रेमियों का आदर्श स्थान है।

मनाली

कुल्लू से उत्तर दिशा में केवल 40 किलो मीटर की दूरी पर लेह की ओर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर घाटी के सिरे के पास मनाली स्थित है। यहां का परिदृश्य आपकी सांसें रोक लेता है। सबसे पहले आपको बर्फसे ढकी हुई पहाडियां, साफ पानी वाली व्यास नदी दिखाई देती है। दूसरी ओर देवदार और पाइन के पेड़, छोटे छोटे खेत और फलों के बागान दिखाई देते हैं। यह छुट्टियां बिताने के लिए आदर्श स्थान है और लाहुल, स्पीति, बारा भंगल, कांगड़ा और जनस्कर पर्वत श्रृंखला पर चढ़ाई करने वालों के लिए यह एक मनपसंद स्थान है। मंदिरों से अनोखी चीजों तक यहां से मनोरम दृश्य और रोमांचकारी गतिविधियां मनाली को हर मौसम और सभी प्रकार के यात्रियों के बीच लोकप्रिय बनाती हैं।

कुल्लू

कुल्लू घाटी को पहले कुलंथपीठ कहा जाता था। कुलंथपीठ का शाब्दिक अर्थ है रहने योग्य दुनिया का अंत। कुल्लू घाटी भारत में देवताओं की घाटी रही है। कुल्लू गर्मी के मौसम में लोगों का एक मनपसंद गंतव्य है। मैदानों में तपती धूप से बच कर लोग हिमाचल प्रदेश की कुल्लू घाटी में शरण लेते हैं। यहां के मंदिर, सेब के बागान और दशहरा हजारों पर्यटकों को कुल्लू की ओर आकर्षित करते हैं। यहां के स्थानीय हस्तशिल्प कुल्लू की सबसे बड़ी विशेषता है। कुल्लू में सुंदर पहाड़ियों और व्यास नदी के आस पास बनी हिल रिजॉर्ट में अवश्य जाएं।

चैल

हिमालय की तराई में स्थित सबसे छोटे

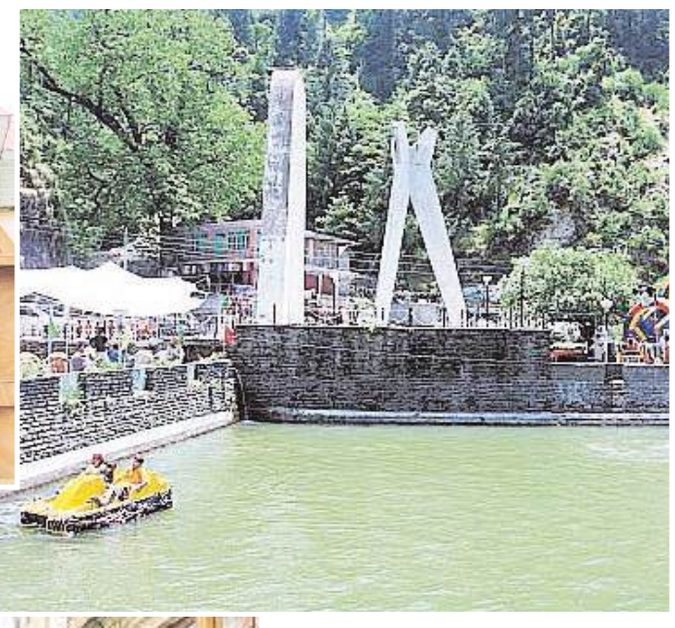

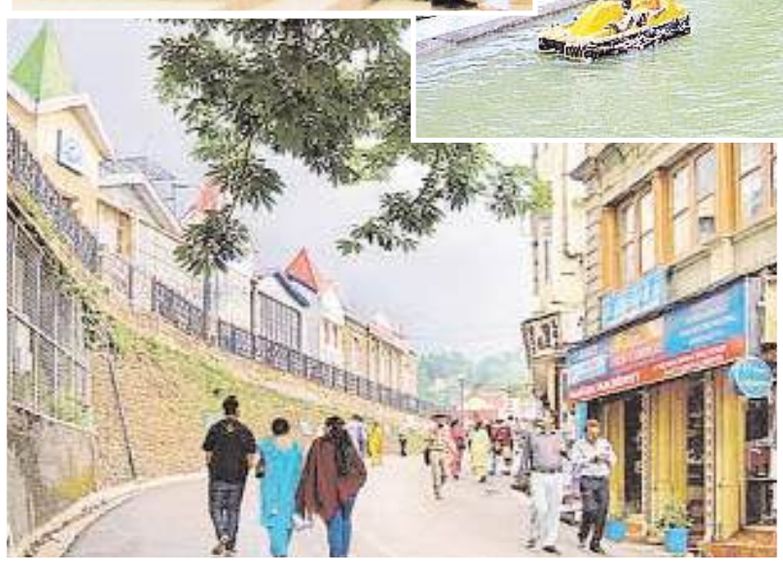

पर्वतीय स्थानों में से एक चैल, प्रकृति प्रेमियों और पक्षियों को देखने के शौकीन व्यक्तियों के लिए एक आदर्श स्थान है। समुद्र तल से 2240 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह मनोरम हरा भरा पर्वतीय स्थान शिमला के दक्षिण पूर्व में 43 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह हिमाचल प्रदेश की राजधानी है। चैल घने पाइप और देवदार के जंगलों के बीच पृष्ठभूमि में बर्फ से ढकी हुई शिवालिक पहाड़ियों के साथ खड़ा हुआ है। यहां 3 पहाड़ियों, राजगढ़ पहाड़ी के ऊपरी भाग में चैल का महल है, गांव में ही साध तिबा पहाड़ी और पंधेवा पहाड़ी स्नो व्यू मेंशन है। शिमला और कसौली हिमाचल प्रदेश के दो प्रमुख पर्वतीय

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

एसएएससीआई परियोजनाओं की प्रगति पर समीक्षा बैठक, समय-सीमाओं पर कार्यों को पूरा करने पर दिया जोर

कठुआ, 12 जनवरी (हि.स.)। जिले में विशेष राज्य पूंजी निवेश सहायता (एसएएससीआई) के तहत चल रही प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना को मजबूत करने, ग्रामीण संपर्क में सुधार करने और आवश्यक सहायक सुविधाएं स्थापित करने के उद्देश्य से चलाई जा रही प्रमुख परियोजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति का आकलन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। समीक्षा की गई परियोजनाओं में बिलवार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की मौजूदा 60 बिस्तरों की क्षमता को बढ़ाकर 100 बिस्तरों की क्षमता तक करना शामिल था जिसे एक्सईएन पीडब्लू बसोहली द्वारा एक्सईएन अस्पताल और यांत्रिक प्रभाग कठुआ के समन्वय से कार्यान्वित किया जा रहा है। इसके अलावा पंचायती राज संस्था के सदस्यों के लिए आवासीय क्वार्टरों का निर्माण और भूंड-जानू सड़क संपर्क पर 70 मीटर लंबा आरसीसी पुल भी शामिल था, जो इस क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण संपर्क परियोजना है।डीसी ने परियोजना-वार स्थिति की विस्तृत समीक्षा की और स्वीकृत विनिर्देशों, समय-सीमाओं और तकनीकी मानदंडों के अनुसार सभी कार्यों को पूरा करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एसएएससीआई के तहत स्वीकृत परियोजनाओं को स्वीकृत समय-सीमा के अनुसार 31 मार्च, 2026 तक पूरा किया जाना आवश्यक है, और सार्वजनिक संपत्तियों की समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित गति बनाए रखने का आह्वान किया। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे कार्यान्वयन संबंधी किसी भी मुद्दे का तुरंत समाधान करें ताकि देरी से बचा जा सके और निधियों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में एडीसी विश्वजीत सिंह, सीपीओ रणजीत ठाकुर, एक्सईएन अस्पताल और यांत्रिक प्रभाग कठुआ, साथ ही पीडब्ल्यूडी कठुआ प्रभाग के एईई उपस्थित थे। एक्सईएन पीडब्ल्यूडी बसोहली और एक्सईएन पीडब्ल्यूडी बिलवार वर्चुअल रूप से बैठक में शामिल हुए और अध्यक्ष को संबंधित परियोजनाओं की स्थिति और प्रगति के बारे में जानकारी दी।

कठुआ में युवक की संदिग्ध मौत- सड़क हादसा या साजिशन हत्या

कठुआ, 12 जनवरी (हि.स.)। कठुआ जिले के नगरी क्षेत्र के मीरपुर जग्गु से लापता हुए एक युवक का शव राजबाग थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद होने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

मृतक की पहचान अर्जुन के रूप में हुई है। परिजनों ने इसे सड़क हादसा मानने से इनकार करते हुए साजिशन हत्या का आरोप लगाया है और निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर जीएमसी कठुआ के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया।

परिजनों के अनुसार अर्जुन बीते शनिवार को घर नहीं पहुंचा था जिसके बाद परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद उसकी गुमशुदगी की शिकायत पुलिस में दर्ज करवाई गई। सोमवार 12 जनवरी को अर्जुन का शव राजबाग थाना क्षेत्र से संदिग्ध हालत में बरामद हुआ। परिजनों का कहना है कि यह कोई सामान्य दुर्घटना नहीं बल्कि पूर्व नियोजित साजिश है। उनका आरोप है कि किसी ने साजिश के तहत अर्जुन की हत्या की है। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जीएमसी कठुआ पहुंचाया जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पोस्टमार्टम के बाद आक्रोशित परिजनों ने जीएमसी के सामने जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग को करीब दस मिनट तक जाम कर दिया और मामले की निष्पक्ष व गहन जांच की मांग की। हालांकि पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाया जिसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग को पुनः सुचारु कर दिया गया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और हर पहलू से मामले की पड़ताल किए जाने का आश्वासन दिया है। वहीं परिजन दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और सच्चाई सामने लाने की मांग पर अड़े हुए हैं।

जीडीसी हीरानगर ने राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 मनाया, भविष्य के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर दिया बल

कठुआ, 12 जनवरी (हि.स.)। जीएलडीएम गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज हीरानगर ने राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 को राष्ट्रीय छात्र समाज सेवा इकाई चेष्टा के तत्वावधान में निबंध लेखन और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताओं का आयोजन कर मनाया।

कार्यक्रम का विषय सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में युवाओं की भूमिका था, जिसका उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता, जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में डॉ. प्रज्ञा खन्ना मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रोफेसर राकेश शर्मा के स्वागत भाषण से हुआ जिन्होंने राष्ट्र निर्माण और सतत विकास में युवाओं की भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में कुल 10 छात्रों ने भाग लिया जबकि पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में 9 छात्रों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में अंशिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, उसके बाद रेखा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में नंदनी शर्मा, महक देवी और अंशिका वर्मा ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किए। कार्यक्रम का समापन एक प्रेरणादायक संदेश के साथ हुआ, जिसमें सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक सभी उपायों का लगन से पालन करने का संकल्प लिया गया, जिससे एक सतत भविष्य के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया गया।

पुलिस ने लापता व्यक्तियों का पता लगाया और उन्हें उनके परिवारों से मिलाया

जम्मू, 12 जनवरी (हि.स.)। जम्मू पुलिस ने मनवाल पुलिस चौकी और पौनी चक पुलिस चौकी के अधिकार क्षेत्र से दो लापता व्यक्तियों का सफलतापूर्वक पता लगाया। मनवाल पुलिस चौकी ने जम्मू जिले के दानसाल तहसील के चिल्लारह गांव की निवासी एक लड़की (नाम गुप्त रखा गया) का पता लगाया जो 08-01-2026 को लापता हो गई थी। शिकायत प्राप्त होते ही दैनिक डायरी में तुरंत गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई और एक समर्पित पुलिस दल का गठन किया गया। लगातार प्रयासों, तकनीकी सहायता और मानवीय खुफिया जानकारी के माध्यम से सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद लापता लड़की का सफलतापूर्वक पता लगाया गया और उसे उसके परिवार से मिला दिया गया। इसी तरह पौनी चक पुलिस चौकी ने प्रथम शर्मा पुत्र नामक एक लापता व्यक्ति का पता लगाया। राजिंदर कुमार शर्मा निवासी मकान नंबर 511 आनंद नगर पट्टा चुंगी बोहरी जिनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दिनांक 10-01-2026 को दर्ज कराई गई थी। कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए उन्हें सुरक्षित रूप से ढूंढ लिया गया और उनके परिवार से मिला दिया गया। तदनुसार दोनों गुमशुदगी की रिपोर्ट बंद कर दी गई हैं।

हीरानगर में राजस्व समीक्षा बैठक आयोजित, सेवाएं प्रदान करने में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने पर दिया जोर

कठुआ, 12 जनवरी (हि.स.)। मासिक समीक्षा प्रक्रिया के अंतर्गत राजस्व विभाग के कामकाज और प्रदर्शन का आकलन करने के लिए एसडीएम हीरानगर की अध्यक्षता में एक राजस्व समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक तहसीलदार हीरानगर, मढ़हीन, डिंगा अंब, साथ ही नायब तहसीलदार, गिरदावर और पटवारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान कर्मचारियों की संख्या, ऑनलाइन सेवाओं की डिलीवरी, अदालती मामलों, रिमांड मामलों, अतिक्रमणों, जन शिकायतों के निपटान सहित अन्य मुद्दों की व्यापक समीक्षा की गई। राजस्व अभिलेखों के डिजिटलीकरण, लघु सिंचाई जनगणना, स्वमित्वा योजना के लंबित मामलों और भूमि मुआवजे के लंबित मामलों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए कि वे सेवाओं का समय पर निपटान सुनिश्चित करें और सभी लंबित कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें। अधिकारियों को जनता को सेवाएं प्रदान करने में दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने पर जोर दिया ग

जसरोटिया ने शहीद मंगल सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की, कहा देश शहीदों का सदा ऋणी रहेगा

कठुआ, 12 जनवरी (हि.स.)। जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया ने पूर्वी मंगलूर पंचायत के लाडोली गांव में आयोजित एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि समारोह में शहीद मंगल सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। शहीद मंगल सिंह जोकि 2000 में जेएके राइफल्स में भारतीय सेना में शामिल हुए थे ने 2002 में 22 वर्ष की कम उम्र में राष्ट्र की सेवा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी और साहस बलिदान और देशभक्ति की एक मिसाल कायम की।

श्रद्धांजलि समारोह में स्थानीय निवासियों, सामुदायिक नेताओं और शहीद के परिवार के सदस्यों ने भाग लिया जिन्होंने प्रार्थना और पुष्पांजलि अर्पित की। विधायक जसरोटिया के संबोधन ने श्रोताओं को प्रभावित किया और इस बात की पुष्टि की कि शहीदों का साहस और बलिदान जम्मू-कश्मीर के युवाओं और लोगों के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश और प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। विधायक जसरोटिया के संबोधन ने गहरा प्रभाव छोड़ा और इस संदेश को पुष्ट किया कि शहीदों का साहस और बलिदान लाडोली, पंचायत मंगलूर पूर्वी और पूरे जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

सभा को संबोधित करते हुए विधायक जसरोटिया ने क्षेत्र के युवाओं और जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के युवाओं पर शहादत के गहरे प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शहीद मंगल सिंह जैसे सैनिकों का बलिदान युवाओं में राष्ट्रीय गौरव और जिम्मेदारी की गहरी भावना पैदा करता है और उन्हें निस्वार्थता, अनुशासन और देश की सेवा के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है। जसरोटिया ने कहा कि इस तरह के वीरतापूर्ण कार्य एक मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में कार्य करते हैं जो आने वाली पीढ़ियों को समाज में सकारात्मक योगदान देने और राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा करने के लिए प्रेरित करते हैं। जसरोटिया ने कहा कि शहीदों को याद करना और उन्हें श्रद्धांजलि देना न केवल उनकी विरासत को संरक्षित करता है बल्कि युवा नागरिकों को राष्ट्र निर्माण और सामुदायिक विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित करता है।

जसरोटिया ने कहा कि देश शहीद मंगल सिंह जैसे शहीदों का सदा ऋणी रहेगा जिनके सर्वोच्च बलिदान ने हमारी सुरक्षा, संप्रभुता और एकता सुनिश्चित की है।

कश्मीर संभागीय आयुक्त ने जमाबंदियों के डिजिटलीकरण और लोक सेवा वितरण मामलों की समीक्षा की

श्रीनगर 2 जनवरी (हि.स.)। संभागीय आयुक्त कश्मीर अंशुल गर्ग ने सोमवार को कश्मीर संभाग के सभी उपायुक्तों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की जिसमें संभागीय स्तर पर विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक मामलों की प्रगति का आकलन किया गया। उन्होंने जमाबंदियों के डिजिटलीकरण, प्रवासी सूची, ऑनलाइन सेवा वितरण, जनता और प्रवासी शिकायतों के निवारण और जिलों में निजी कोचिंग केंद्रों की निगरानी की प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा, उन्होंने आतंकी पीड़ितों के परिवारों से संबंधित एसआरओ-43 के तहत लंबित मामलों और रक्षा भूमि के उत्परिवर्तन की स्थिति की भी समीक्षा की। बैठक को संबोधित करते हुए संभागीय आयुक्त ने डीसी को लंबित एसआरओ-43 मामलों के निपटान में तेजी लाने का निर्देश दिया ताकि आतंकी पीड़ितों के पात्र परिवार के सदस्यों को समय पर नियुक्तियां मिल सकें। उन्होंने किसी भी स्पष्टीकरण को जल्द से जल्द हल करने के लिए संबंधित एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय पर भी जोर दिया। सुरक्षा एजेंसियों को भूमि हस्तांतरण के मामलों के संबंध में गर्ग ने डीसी को समयबद्ध तरीके से उत्परिवर्तन पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने आगे निर्देश दिया कि ऑनलाइन आईओ और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से प्राप्त जनता और प्रवासी शिकायतों के निपटान को प्राथमिकता दी जाए।चल रहे नशामुक्ति अभियान को देखते हुए संभागीय आयुक्त ने कोचिंग केंद्रों की नियमित निगरानी और निरीक्षण पर जोर दिया और व्यापक सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियों का आह्वान किया। उन्होंने दोहराया कि जिला प्रशासन द्वारा कोचिंग केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जाना चाहिए।

पुलिस ने पुलवामा में एक ड्रग तस्कर को किया गिरफ्तार, प्रतिबंधित पदार्थ बरामद

श्रीनगर, 12 जनवरी(हि.स.)। समाज से नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, पुलिस ने पुलवामा में एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया है। पुलिस चौकी नेवा की पुलिस पार्टी ने नेवा में नाके के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1.120 किलोग्राम पोस्त बरामद हुआ। उसकी पहचान हिलाल अहमद वानी पुत्र अब्दुल खालिक वानी निवासी घाट टोकना के रूप में हुई है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस स्टेशन ले जाया गया है जहां वह हिरासत में है। तदनुसार, पुलिस स्टेशन पुलवामा में कानून की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 04/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच शुरू की गई है। पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपना निरंतर अभियान जारी रखा है और जनता से युवाओं और समाज को नशीली दवाओं के खतरे से बचाने में मदद करने के लिए सक्रिय रूप से सहयोग करने और जानकारी साझा करने की अपील की है।

अवैध खनिज खनन और परिवहन के आरोप में पुलिस ने 9 वाहन जब्त किए

गांदरबल, 12 जनवरी (हि.स.)। अवैध खनिज खनन और परिवहन के खिलाफ निरंतर और सक्रिय अभियान के तहत पुलिस ने गांदरबल में 7 टिपर और 2 ट्रैक्टर सहित 9 वाहन जब्त किए हैं। इन वाहनों में अनिवार्य अनुमति के बिना नाला सिंध से अवैध रूप से निकाला गया खनिज ले जाया जा रहा था। भूविज्ञान एवं खनन विभाग के साथ त्वरित समन्वय में कार्रवाई करते हुए संबंधित पुलिस थानों की टीमों ने मौके पर ही इन वाहनों को रोककर जब्त कर लिया जिससे क्षेत्र में अवैध खनिज परिवहन पर शिकंजा कस गया है। पुलिस प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा और ऐसी गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराती है। अपराधियों को एक बार फिर अवैध खनन और खनिज परिवहन से दूर रहने की कड़ी चेतावनी दी है।

नकली शहद और नकली देसी घी के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़

श्रीनगर, 12 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने श्रीनगर स्थित नकली शहद और नकली देसी घी के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। एक अधिकारी के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की एक टीम ने श्रीनगर के बरथाना और कमरवारी इलाकों में छापेमारी की। उन्होंने बताया, हमने भारी मात्रा में हाइड्रोजनीकृत तेल बरामद किया है जिसका इस्तेमाल सड़क किनारे देसी घी के नाम से बेचे जाने वाले मिश्रण को बनाने में किया जा रहा था। इसके अलावा उन्होंने बताया कि देसी शहद के नाम से बेचे जाने वाले मिश्रण को बनाने में इस्तेमाल की जा रही चीनी भी बरामद की गई है।

सार्वजनिक सूचना

मैं, कुमारी पिंकी, माता संख्या 15623103P हवलदार गणेश कुमार, निवासी ग्राम कलाल, डाकघर डीइंग, तहसील नौशेरा, जिला राजौरी, जम्मू एवं कश्मीर (यू.टी.) - 185151, एतद्वारा यह सार्वजनिक सूचना देती हूँ कि मेरे पुत्र के आर्मी सेवा अभिलेखों में मेरा नाम गलती से पिंकी देवी दर्ज हो गया है। जबकि मेरा सही एवं वास्तविक नाम कुमारी पिंकी है, जैसा कि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य आधिकारिक दस्तावेजों में अंकित है।

यह स्पष्ट किया जाता है कि पिंकी देवी और कुमारी पिंकी एक ही व्यक्ति अर्थात् मैं स्वयं हूँ।

यह सूचना आर्मी अभिलेखों एवं अन्य सभी आधिकारिक दस्तावेजों में नाम सुधार के उद्देश्य से प्रकाशित की जा रही है।

अतः भविष्य में मेरा नाम सभी आधिकारिक एवं कानूनी प्रयोजनों के लिए कुमारी पिंकी के रूप में पढ़ा, लिखा एवं माना जाए। यदि किसी व्यक्ति को उपर्युक्त के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर सूचित कर सकता/सकती है, अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है।

हेरोइन के साथ एक नशीले पदार्थ तस्कर किया गिरफ्तार

जम्मू, 12 जनवरी (हि.स.) पुलिस स्टेशन सिटी जम्मू ने शहर में एक लक्षित अभियान के दौरान एक कुख्यात नशीले पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर हेरोइन जब्त की।

विशिष्ट और विश्वसनीय सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए निरंतर निगरानी के तहत पुलिस स्टेशन सिटी के आईसी पीपी रेजिडेंसी रोड स्थित पुलिस की एक टीम ने पीएसआई आकिब लतीफ के नेतृत्व में आईसी हरि मार्केट जीसी थप्पा और पीएसआई इमरान हमीद के साथ मिलकर चंचल सिंह, पुत्र ठाकुर अनार सिंह, निवासी मकान नंबर 149 राम मंदिर के पास शास्त्री नगर जम्मू को गिरफ्तार किया।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. :- 433-सिग-टी-67-25-26 दिनाँक 12.01.2026
बंद होने की तिथि/समय : 02.02.2026 15:00 बजे

वरिष्ठ मण्डल संकेत एंव दूरसंचार इंजीनियर, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से टैंडर नं. 433-सिग-टी-67-25-26 ई. टैंडरिंग के माध्यम से दिनांक 02.02.2026 को 15:00 बजे तक https://www.ireps.gov.in वेबसाईट पर निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपनी निविदाए असली/संशोधित निश्चित किए गए समय तथा तारीख तक अवश्य जमा करवांए। इस टैंडर के अर्न्तगत मैनुअल निविदा वर्जित है और अगर कोई मैनुअल निविदा प्राप्त होगी तो वह मान्य नही होगी। ठेकेदारों द्वारा टैंडर डाक्यूमैंट की कीमत और ब्याना राशि जोकि इस टैंडर के लिए मान्य है वह केवल आईआरईपीएस पोर्टल जैसे कि नैट बैंकिंग, डैबिट कार्ड, क्रैडिट कार्ड इत्यादि द्वारा ही स्वीकृत की जाएगी। इसके अतिरिक्त डिमान्ड ड्राफट, बैंकर चैक, डिपोजिट रसीद, एफडीआर इत्यादि के माध्यम द्वारा जमा करवाई गई राशि मान्य नहीं होगी।

एन आई टी.

कार्य का नाम	(i) नॉर्दर्न रेलवे के फिरोजपुर डिवीजन के स्टेशनों पर पुराने एक्सचेंज को सर्वर आधारित IP आधारित एक्सचेंज से बदलने का कार्य । (ii) फिरोजपुर डिवीजन में SNL-ASR सेक्शन के वार्षिक GM/NR निरीक्षण के संबंध में। (ii) DEN- III/FZR के तहत ASR-VKA सेक्शन पर किमी 0.00 से 9.00 तक मौजूदा ट्रैक लीड के CTR(P)– 9.00 Tkm का काम, जिसमें 52kg रेल वाली PSC-5 स्लीपर (1540/किमी) को 60kg (90/110 UTS) नई रेल वाली PSC चौड़ी सीट स्लीपर 1660 नग/किमी (LWR) से बदला जाएगा और गिट्टी कुशन को 25 cm से 35 cm तक बढ़ाया जाएगा इनके संबंध में सिग्नल और टेलीकॉम का कार्य।

टैंडर बन्द करने की तिथि तथा समय	02.02.2026 15:00	टैंडर की अपलोड करने की तिथि तथा समय	10.01.2026 12:04
अनुमानित कीमत	(i) 36779341.76 (ii) 9593865.05	बिडिंग आरम्भ की तिथि (आईआईपीएस)	19.01.2026
ब्याना राशि (रु.)	(i) 333900.00 (ii) 191900.00	कार्य पूरा करने की अवधि	(i) 9 महीने (ii) 4 महीने
नोटः	निविदाकर्ता नियमित रूप से वेबसाइट के संपर्क में रहकर निविदा संशोधनों, शुद्धिपत्र आदि बारे में स्वयं को अपडेट रखें।		

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 119/26

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI (M)
G.W.D. DIVISION JAMMU
SHORT TERM NOTICE INVITING e-TENDER
E -NIT NO GWD/223 OF 2025-26 DATED 10.01.2026

For and on behalf of the Lieutenant Governor UT of J&K, the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu invites tenders by e-tendering mode from reputed and registered firms for below mentioned works:-

Name of the Work	Name of the Division	Cost of Tender Document/Tender Fee(In Rs)	Qty.	Estimated cost (value of work) (in Rs.)	Earnest Money (In Rs)	Validity of Rates
Re-development of defunct Mark-II hand pump at Lohar Moh. NHO Rahul Verma Bilaspur Pyt. Bilaspur Block Khoon in District Udhampur	Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu	500.00 (Non-Refundable) Deposited in Govt. treasury through e-challan under the receipt head 0215 in favour of the Executive Engineer, Jal Shakti Mech. GWD Div. Jammu payable at Jammu mentioning name of work	01 No.	Rs. 0.40 lacs	@2% of the estimated value in shape of Fresh CDR/FDR pledged to Executive Engineer PHE (M) GWD Division	31st March 2026

1. Bid documents can be seen at and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 10.01.2026 to 17.01.2026
2. The pre bid meeting if desired, shall be held in the office of the Executive Engineer Jal Shakti (M) G.W.D. Division Jammu on 12.01.2026 at 1300 hrs.
3. The Bids shall be uploaded on the website http://jktenders.gov.in from 12.01.2026 (1400 hrs) to 17.01.2026 (1800 hrs.)
4. The complete bidding process shall be online and scanned copies of the following documents will have to be uploaded before due date:-
(i) Scanned copy of treasury e-Challan/receipt for Rs. 500.00 against the cost of tender document under the receipt Head 0215 in favour of Executive Engineer, Jal Shakti (M) Ground Water Drilling Division Jammu indicating name of work to be executed. It may be noted that the receipt of the e-challan should be of the date after the issuance of publication of the e-tender. (ii) Scanned copy of EMD in the shape of CDR/FDR @2% of the estimated value pledged in favour of Executive Engineer, PHE (M) Ground Water Drilling Division Jammu. It may be noted that the EMD should be of the date after the issuance of publication of the e-tender (iii) Scanned Copies of tender documents, terms and conditions duly signed and stamped (each page) by bidder. (iv) Scanned copy of GST Registration from competent authority (v) Scanned copy of PAN Card. (vi) The firms/bidders/contractors should have sufficient experience in any similar nature of govt. work, if any firm has not uploaded all the required documents as mentioned in e-NIT, the bid shall be rejected without any intimation.
5. The Technical Bids of the tender document received shall be opened online in the office of Executive Engineer Jal Shakti (M) GWD Division Jammu on 19.01.2026 at 1400 hrs. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids shall be opened on the next working day during the office hours.
6. The Cover - II i.e. Financial Bids of the firms who qualify in Cover - I shall also be opened online in the office of the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu during office hours or some other working day convenient to tender opening authority.
7. Other details can be seen inside the detailed tender document.
8. Account Head: MLA-CDF (2025-26)
9. Status of funds: (under approved budget)
10. AAA No. 105-DDCU of 2025 Dated 18.11.2025
11. Accord of T.S. No: 637 of 11/2025 Dated 20.11.2025
No GWD/7363-65 Dated 10.01.2026

DIP/J-10114/25
Dtd: 12-1-2026

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti (M) GWD Division
Jammu

कठुआ में कांग्रेस का मनरेगा बचाओ संग्राम तेज, शहीदी चौक पर एक दिवसीय धरना

कठुआ, 12 जनवरी (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी द्वारा देशभर में चलाए जा रहे मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत सोमवार को कठुआ जिले में एक दिवसीय आंदोलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कठुआ के शहीदी चैक पर आयोजित हुआ जिसकी अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष पंकज डोगरा ने की।

इस आंदोलन में कांग्रेस के पूर्व सांसद चैधरी लाल सिंह के साथ-साथ पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। आंदोलन के दौरान केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना को धीरे-धीरे खत्म करने की साजिश की जा रही है। वक्ताओं ने कहा कि मनरेगा देश के गरीब, मजदूर और ग्रामीण परिवारों के लिए रोजगार की गारंटी है लेकिन सरकार बजट में कटौती कर और काम के दिनों को सीमित कर इस योजना को कमजोर कर रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार की नीतियां गरीब, किसान और मजदूर विरोधी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की अनदेखी कर सरकार बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचा रही है। नेताओं ने यह भी कहा कि बेरोजगारी बढ़ रही है लेकिन सरकार ठोस कदम उठाने में विफल रही है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष पंकज डोगरा ने कहा कि यह आंदोलन केवल कठुआ तक सीमित नहीं है बल्कि पूरे देश में कांग्रेस पार्टी द्वारा मनरेगा बचाओ संग्राम चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जब तक मनरेगा को पूरी तरह से मजबूत नहीं किया जाता और मजदूरों के अधिकार सुरक्षित नहीं होते तब तक कांग्रेस पार्टी संघर्ष जारी रखेगी। पूर्व सांसद चौधरी लाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस हमेशा से गरीबों और मजदूरों की आवाज उठाती रही है और आगे भी उठाती रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर लोगों को मनरेगा के महत्व के बारे में जागरूक करें और सरकार की जनविरोधी नीतियों का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करें।

संपादकीय

भैरव यूनिट्स और युद्धक खतरों से निपटने की चुनौती

यह वास्तव में सराहनीय है कि केंद्र सरकार की सर्वांगीण पहलों के बाद, भारतीय सेना ने आधुनिक युद्ध की चुनौतियों से निपटने के लिए अब तक के सबसे बड़े परिवर्तनों में से एक को अंजाम दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, सेना ने पूरे बल में एक लाख से अधिक ड्रोन ऑपरेटरों का एक बड़ा समूह तैयार किया है।

भारतीय सेना द्वारा गठित नवीनतम विशेष बल भैरव आधुनिक युद्ध की चुनौतियों से निपटने में विशेषज्ञ है। इस बल के सभी जवान ड्रोन संचालित करने में सक्षम हैं और दुश्मन क्षेत्र के भीतर ठिकानों एवं सैन्य संरचनाओं को निशाना बनाने के लिए वास्तविक अभियानों में इनका उपयोग करते हैं। सेना मुख्यालय द्वारा सैन्य संघर्षों से मिले सबक को ध्यान में रखते हुए गठित भैरव बटालियनों का उद्देश्य उच्च गति वाले आक्रामक अभियानों के लिए एक समर्पित बल उपलब्ध कराना है, ताकि आवश्यकता के अनुसार विभिन्न स्तरों पर विशेष बलों के कार्यों को अंजाम दिया जा सके।

अब तक सेना लगभग 15 ऐसी बटालियनें खड़ी कर चुकी है और निकट भविष्य में कुल लगभग 25 बटालियनें गठित करने की योजना है। यद्यपि इस पहल के तहत प्रशिक्षित कर्मियों से भारत की आक्रामक क्षमता को मजबूती मिलने की उम्मीद है, लेकिन संबंधित पक्षों को एक अन्य गंभीर चुनौती पर भी ध्यान देना चाहिए, जिसका सामना देश पाकिस्तान के साथ लगती सीमाओं पर कर रहा है। यह चुनौती है दुश्मन ड्रोन की लगातार घुसपैठ, जिनका उपयोग हथियारों, गोला-बारूद और नशीले पदार्थों की तस्करी के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर टोही (रिकी) के लिए किया जा रहा है।

पंजाब राज्य और जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश विशेष रूप से विरोधी ड्रोन की इस चुनौती से जूझ रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तानी हैंडलरों द्वारा इन मानवरहित हवाई वाहनों का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है, ताकि जम्मू-कश्मीर और देश के अन्य हिस्सों में अशांति फैलाने की उनकी नापाक मंशाओं को अंजाम दिया जा सके।

जम्मू के आर.एस. पुरा उप-जिले के चकरोई गांव से सामने आए ताजा मामले में सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध 'नैनो ड्रोन' बरामद किया है, जिसने जांच एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे छोटे ड्रोन का पता लगाना बेहद कठिन होता है, लेकिन ये क्षेत्र की सुरक्षा के लिए अत्यंत घातक साबित हो सकते हैं। भैरव बटालियन की पहल रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए अत्यंत आवश्यक है, लेकिन पाकिस्तान द्वारा की जा रही शरारतों को देखते हुए दुश्मन ड्रोन के खतरे से अत्यधिक प्रभावी ढंग से निपटने की तत्काल आवश्यकता है। इन यूएवी में बिना रोक-टोक रक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की क्षमता है। इसलिए भारत को प्रौद्योगिकी का अधिकतम लाभ उठाते हुए और पारंपरिक तरीकों से हटकर नए एवं नवोन्मेषी उपाय अपनाने होंगे, क्योंकि मौजूदा पारंपरिक उपाय इस खतरे को पूरी तरह से रोकने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। चूंकि भैरव बटालियनें सेना के पुनर्गठन के हिस्से के रूप में आधुनिक तकनीक, नई सोच और नवीन परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप गठित की गई हैं, इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि इन इकाइयों के दायरे को और विस्तृत किया जाए। इसमें दुश्मन ड्रोन की घुसपैठ जैसी चुनौतियों से निपटना भी शामिल होना चाहिए, क्योंकि इस पर अंकुश लगाना पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद को रोकने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है—विशेषकर जम्मू-कश्मीर और पंजाब में, जो हाल के समय में भारत के पश्चिमी पड़ोसी देश की धरती से संचालित ड्रोन गतिविधियों के कारण अधिक संवेदनशील हो गए हैं।

देश के लिए फायदेमंद है चाइल्ड केयर में निवेश करना

एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) की पालना योजना के तहत परिकल्पित राज्य प्रायोजित डे-केयर सेंटर में बड़ी संभावनाएं हैं लेकिन वे वर्तमान में महत्वाकांक्षा न होने और कम बजटीय आवंटन से विवश होने से ग्रस्त हैं। मजबूत परिवारों को मजबूत सहायक संरचनाओं की आवश्यकता होगी। समाज और राज्य की जिम्मेदारी है कि वे इन्हें सम्मान के साथ प्रदान करें।न्यूयार्क में मेयर का चुनाव जीतने वाले जोहरान ममदानी की जीत का एक बड़ा कारण शहर के सभी बच्चों के लिए राज्य प्रायोजित चाइल्ड केयर की गारंटी देना था। लोक कल्याण पर खर्च न करने की नीति रखने वाले, विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रम्प के समय और अमेरिका में दूर-दक्षिणपंथ की नई और यहां तक कि अंधी दिशा में जा रहे देश में यह एक साहसिक वादा था। ममदानी की जीत इंगित करती है कि अमेरिकी मतदाता साहसिक विचारों के साथ काम करते हुए समग्र विकास को बढ़ावा देते हैं। भारत के संदर्भ में बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक बड़ी चुनौती को देखते हुए इस विषय पर गंभीर चर्चा हो सकती है कि कैसे और क्यों बच्चों पर केंद्रित जमीनी स्तर के विकास का एजेंडा विभिन्न दलों के राजनीतिक एजेंडे में वरीयता प्राप्त कर सकता है।बच्चों को हर जगह एक सुरक्षित, सहायक व पोषण करने वाले वातावरण की आवश्यकता होती है। आधुनिक दुनिया और इसकी अर्थव्यवस्था ने सामाजिक-आर्थिक स्तर पर बच्चों की देखभाल करने के लिए परिवारों की क्षमता को सीमित कर दिया है। छोटे परिवार के आकार, माता-पिता दोनों को घर से बाहर काम करने की आवश्यकता, लंबे समय तक काम के घंटे, लोगों को काम के लिए बाहर जाने की जरूरत; इन सभी मुद्दों ने अपने बच्चों की देखभाल करने की परिवारों की क्षमता को कम कर दिया है।हालांकि अमीर परिवार निजी चाइल्ड केयर का खर्च उठा सकते हैं और उनके बच्चे घर पर या संस्थानों में बढ़ते रहते हैं, परन्तु गरीब परिवारों में बच्चे समुचित चाइल्ड केयर के बिना बढ़ते हैं जो अक्सर उनकी वृद्धि, विकास और भावनात्मक क्षमता को अत्यंत सीमित कर देते हैं। आमतौर पर किसी भी देखभाल करने वाले की अनुपस्थिति में उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य से भी समझौता किया जाता है।

यह देखा गया है कि ग्रामीण भारत, विशेष रूप से ग्रामीण राजस्थान के कई हिस्सों में पुरुष श्रम-रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन करते हैं जबकि महिलाएं और बच्चे अक्सर पीछे रह जाते हैं। महिलाएं जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने, पानी लाने, खेतों में काम करने और बुजुर्गों की देखभाल करने का काम करती हैं। उनके पास खुद की या अपने बच्चों की देखभाल करने के लिए समय नहीं होता। अधिकतर ऐसा होता है कि छोटे बच्चे खुद अपनी देखभाल करते हैं या उनका कोई बड़ा भाई-बहन उनकी देखभाल करता है जो अक्सर खुद ही एक छोटा बच्चा होता है। कभी-कभी दादा-दादी को बच्चों की देख-भाल करने का जिम्मा दिया जाता है पर ज्यादातर मामलों में वे स्वयं अपनी शारीरिक स्थितियों के कारण असमर्थ होते हैं। फलतः कई बार ऐसी स्थितियां बनती हैं कि कभी बच्चे कुओं में गिर जाते हैं या जानवरों द्वारा रौंद दिए जाते हैं अथवा अकेलेपन का शिकार हो कर निष्क्रिय पड़े रहते हैं।राजस्थान की कई बस्तियों में जहां डे-केयर सेंटर चलाये हैं, उनमें देखा गया है कि ऐसे केंद्रों में रखे गए अधिकांश बच्चे अच्छी तरह से विकसित होते हैं और स्कूलों में उन बच्चों की तुलना में बहुत बेहतर प्रदर्शन करते हैं जिन्हें खुद के हाल पर छोड़ दिया जाता है। उनकी माताओं ने यह भी बताया कि जब वे काम के लिए जाती हैं तो अपने बच्चों की भलाई के बारे में उन्हें बहुत कम चिंता रहती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे खुद के आराम के लिए कुछ समय भी निकाल लेती हैं। शहरी अहमदाबाद में कई प्रवासी परिवार निर्माण स्थलों पर काम करते हैं जहां बच्चों को अक्सर इधर-उधर भटकने के लिए छोड़ दिया जाता है जिससे उन्हें चोट लगने, उनके उपेक्षित रह जाने और कुपोषण का बहुत खतरा होता है। इन स्थलों पर गैर-सरकारी संगठनों और नियोक्ताओं द्वारा प्रबंधित डे-केयर सेंटर इन परिवारों के बच्चों को सुरक्षा, शिक्षा और पोषण प्रदान करते हैं।इन स्थितियों में बाल देख-भाल सीमित परिस्थितियों में की जाती है जो सरकार की मदद के बिना संचालित होती है और वह एक अधिकार नहीं होता। यह देखते हुए कि विकास के लिए बच्चों के प्रारंभिक वर्ष मूलभूत हैं और परिणामों को आजीवन आकार देते हैं, न्यूनतम निवेश से होने वाले भारी लाभों को देखते हुए और अधिक क्षेत्रों तथा राज्यों में बाल देख-भाल मॉडल का विस्तार करने की आवश्यकता है। इस बारे में किए गये कई अध्ययन इसका समर्थन करते हैं। जर्नल ऑफ ग्लोबल हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार निम्न और मध्यम आय वाले देशों में 0-3 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए केंद्र-आधारित चाइल्ड केयर पर अध्ययनों की एक प्रणालीगत समीक्षा बच्चों के विकास, पोषण और विकास मेट्रिक्स में सकारात्मक परिणामों से जुड़ी है। 2011 की एक लैंसेट समीक्षा में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि चूंकि बच्चों का विकास हो रहा होता है तो बढ़ते केंद्र-आधारित प्रारंभिक शिक्षण कार्यक्रम बच्चों के संज्ञानात्मक विकास, स्कूल की तैयारी में सुधार करते हैं और मजबूत शैक्षणिक प्रदर्शन का समर्थन करते हैं।हाशिए में रहने वाले बच्चों के लिए ये लाभ अधिक गहन होते हैं। वैश्विक साक्ष्य से पता चलता है कि संज्ञानात्मक कामकाज और सामाजिक-भावनात्मक कौशल का निर्माण बेहतर शिक्षा, रोजगार तथा वयस्क होने पर कमाई में बदल जाता है। यह गरीबी के अंतर-पीढ़ीगत चक्र को तोड़ने में मददगार होता है। जमैका से एक ऐतिहासिक अध्ययन (गर्टलर, पॉल, एट अल %लेबर मार्केट रिटर्न्स टू एन अर्ली चाईल्डहुड स्टिमुलेशन इंटरवेन्शन इन जमैका%, साईंस- 2014) ने पाया कि जिन बच्चों को पोषण और प्रारंभिक प्रोत्साहन प्राप्त हुआ, उन्होंने 20 साल बाद उन लोगों की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक आय अर्जित की जिन्हें ऐसे अवसर और सुविधाएं नहीं मिली थीं।इसके अलावा, यह दिखाने के लिए अकाट्य सबूत हैं कि कम और मध्यम आय वाले देशों में भी बड़ी संख्या में माताओं को काम करने में सक्षम बनाने में चाइल्ड केयर की उपलब्धता किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जैसे-जैसे अधिक संख्या में माताएं कार्यबल में शामिल होती हैं, समग्र रोजगार दर बढ़ती है। इकानॉमिस्ट इम्पैक्ट के चाइल्ड केयर डिविडेंड इनिशिएटिव (%ब्रिजिंग द एक्सेस गैप% क्वांटिफाइंग द इकोनॉमिक रिटर्न ऑफ पब्लिक इन्वेस्टमेंट इन चाइल्ड केयर%) द्वारा किए शोध का अनुमान है कि चाइल्ड केयर सेवाओं तक पहुंच गुणक प्रभाव के माध्यम से हर साल राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 1 फीसदी तक की वृद्धि हो सकती है।यह महत्वपूर्ण है कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में कार्यबल में माताओं की कम भागीदारी की बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। महिलाओं के लिए यह कीमत व्यक्तिगत और वित्तीय दोनों हैं। यह न केवल कैरियर के विकास को धीमा और कमाई को कम करता है बल्कि उनकी स्वतंत्रता तथा काम देने वाली एजेंसी की क्षमता को भी कम करता है। कम मातृ श्रम शक्ति भागीदारी दर के कारण घरेलू आय नकारात्मक रूप से प्रभावित होती है जिससे राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक विकास कम होता है। द इकानॉमिस्ट की रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि अपर्याप्त चाइल्ड केयर कितना महंगा हो सकता है- नाइजीरिया में लगभग पांच में से एक बच्चा स्कूल जाने की उम्र से कम का है और अधिकांश छोटे बच्चों की देखभाल घर पर की जाती है। वहां 2022 में महिलाओं की काम करने की सीमित क्षमता के कारण देश के सकल घरेलू उत्पाद का 1.09 प्रतिशत आय का नुकसान हुआ।चाइल्ड केयर उद्योग में सृजित नौकरियों के कारण आर्थिक लाभ भी उत्पन्न होते हैं। चाइल्ड केयर में निवेश करना महिलाओं और बच्चों को उनकी पूरी क्षमता का एहसास दिलाने के साथ ही लघु और दीर्घकालिक आर्थिक लाभ को अनलॉक करने का एक स्पष्ट मार्ग दिखाता है। यदि पूर्व-प्राथमिक आयु वर्ग के प्रत्येक छोटे बच्चे के पास चाइल्ड केयर तक पहुंच होती तो 2023 और 2030 के बीच लाखों माताएं कमाई कर सकती थीं। उपरोक्त रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि अकेले भारत में 62 लाख माताएं कार्यबल में शामिल हो सकती हैं।एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) की पालना योजना के तहत परिकल्पित राज्य प्रायोजित डे-केयर सेंटर में बड़ी संभावनाएं हैं लेकिन वे वर्तमान में महत्वाकांक्षा न होने और कम बजटीय आवंटन से विवश होने से ग्रस्त हैं। मजबूत परिवारों को मजबूत सहायक संरचनाओं की आवश्यकता होगी। समाज और राज्य की जिम्मेदारी है कि वे इन्हें सम्मान के साथ प्रदान करें। हर जगह बच्चों को अच्छी चाइल्ड केयर की आवश्यकता होती है- चाहे वह न्यूयॉर्क में हो, अमेरिका का एक शहर या ग्रामीण राजस्थान की एक बस्ती %नया घर% में हो।

मकर संक्रांति त्योहार के पीछे के वैज्ञानिक सिद्धांत

-पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

हर साल 14 जनवरी को हम मकर संक्रांति मनाते हैं। यह एकमात्र भारतीय त्योहार है जो सौर कैलेंडर के दिन मनाया जाता है। बाकी सभी भारतीय त्योहार चंद्र कैलेंडर के अनुसार मनाए जाते हैं इसलिए सौर कैलेंडर के अनुसार उनके मनाने के दिन हर साल बदलते रहते हैं। खगोल विज्ञान, गणित और ज्यामिति सहित प्राचीन भारतीय विषयों में संस्कृत तकनीकी शब्द 卐संक्रांति卐 का इस्तेमाल किया जाता था।

महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों में से एक, मकर संक्रांति भारत के कई क्षेत्रों में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन आधिकारिक तौर पर नई फसल का मौसम शुरू होता है। हालांकि, मकर संक्रांति का सांस्कृतिक महत्व इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहाँ रहते हैं; अलग-अलग राज्य इसे अलग-अलग नामों से मनाते हैं लेकिन उसी स्नेह के साथ।

मकर संक्रांति का त्योहार एक खगोलीय घटना पर आधारित हैः सूर्य का दक्षिणी से उत्तरी गोलार्ध में स्पष्ट ग्रहण संबंधी बदलाव। विज्ञान के अनुसार, यह सूर्य के खगोलीय भूमध्य रेखा को पार करने का संकेत देता है, जो शीतकालीन संक्रांति के बाद सूर्य के उत्तर की ओर बढ़ने की खगोलीय घटना है। सनातनी सूर्य की पूजा करते हैं और उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, उसे एक खगोलीय पिंड और एक सचेत देवता दोनों के रूप में देखते हैं।

मकर संक्रांति पर सुबह से शाम तक, चैतन्य चारों ओर व्याप्त रहता है। इसलिए, साधना (आध्यात्मिक अभ्यास) में लगे साधक को अधिक चैतन्य का सबसे बड़ा लाभ मिल सकता है। चैतन्य के परिणामस्वरूप साधकों में परम अग्नि सिद्धांत, या तेजतत्व भी बढ़ता है। मकर संक्रांति साधना के लिए एक उत्कृष्ट दिन है।

सूर्य का उत्तर की ओर गमन सर्दियों के अंत और उत्तरी गोलार्ध में अधिक दिन की रोशनी का संकेत देता है।

अतीत में, यह कृषि चक्रों के साथ-साथ होता था- फसलें कट जाती थीं, फसलें भंडारित की जाती थीं और नई खेती की तैयारी शुरू हो जाती थी। अलाव जलाना, पतंग उड़ाना और नदी में नहाना व्यावहारिक मूल के सांस्कृतिक रीति-रिवाजों के उदाहरण हैं, जैसे गर्मी देना, लंबे दिनों का स्मरण करना और मौसमी नदी प्रवाह और फसल कटाई के बाद खाली समय से जुड़े औपचारिक शुद्धिकरण। मकर संक्रांति उत्सव का एक अनिवार्य घटक छत पर इकट्ठा होना और सूरज के नीचे पतंग उड़ाना है। इस प्राचीन प्रथा का वैज्ञानिक महत्व है क्योंकि, लंबी सर्दियों के बाद, सूर्य अंततः हमारी ऊर्जा को फिर से भरता है और हमारे शरीर को बैक्टीरिया और बीमारियों से शुद्ध करता है, हम खुशी-खुशी पतंग उड़ाते हैं।

देश के अलग-अलग हिस्सों में इस दिन के उत्सवों को अलग-अलग नामों से जाना जाता है- मध्य भारत में सुकरात, असमिया हिंदुओं में भोगली बिहू, तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय हिंदुओं में पोंगल और उत्तर भारतीय हिंदुओं और सिखों में लोहड़ी। जिस तरह भारत के कई हिस्सों में मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जाता है, उसी तरह एशिया के अन्य हिस्सों में भी इसे दूसरे नामों से और इसी तरह के कारणों से मनाया जाता है। उदाहरण के लिए, मकर संक्रांति उत्सव को थाईलैंड में सोंगक्रान और कंबोडिया में मोहा संगक्रांता के नाम से जाना जाता है। इसके अलावा, दुनिया भर के लोग, खासकर भारतीय मूल के लोग, अपनी विरासत से जुड़ाव के कारण मकर संक्रांति मनाते हैं।

अनोखे लड्डू बनाने के लिए जो सच में इस मौके को खास बना दें, तिल और गुड़ का एक खास मिश्रण तैयार किया जाता है। इन लड्डुओं को खाने का कारण यह है कि तिल के हर दाने में तेल से मिलने वाले तत्व होते हैं। सर्दियों में त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है और उसे सुरक्षा और मुलायम बनाए रखने के लिए नमी की ज़रूरत होती है। इसलिए, तिल के लड्डू खाना, जो इस उत्सव का एक ज़रूरी हिस्सा है, यह त्वचा को नमी देता है। अक्सर तिल-गुड़ कहे जाने वाली ये मिठाइयाँ मकर संक्रांति उत्सव की परंपराओं को दिखाती हैं और माना जाता है कि ये समुदाय में सद्भाव बढ़ाती हैं।

रा स्व संघ जाति, धन और सामाजिक अन्याय के कारण समाज में आई कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहा है। छह उत्सवों में से मकर संक्रांति ऐसा उत्सव है जो समाज में सद्भाव और आत्म-सम्मान को बढ़ावा देने के लिए छुआछूत और पुरानी गलत परंपराओं को खत्म करने का प्रयास करता है। इस उत्सव का लक्ष्य आंतरिक जागरूकता जगाना और भारत को उसकी पूर्व गरिमा और शान वापस दिलाने के लिए करना है। हिंदू सभ्यता बनाने वाली अलग-अलग जातियों को एक साथ आना होगा। डॉ. हेडगेवार जी के अनुसार, जब तक हिंदू समाज बंटा हुआ है, भारत माता का अस्तित्व खतरे में रहेगा। ये उत्सव डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार जी ने सामाजिक समता, ममता, समरसता और हिंदू एकता की विशेषताओं के अनुसार मनाना शुरु किया था, जिन्हें वे समाज के लिए ज़रूरी मानते थे।

विकसित भारत युवा नेता संवाद: विकसित भारत के लिए युवा नेतृत्व का सशक्तिकरण

डॉ. मनसुख मांडविया

भारत की विकास कथाउन लोगों द्वारा लिखी जाएगी, जो आज इसके विचारों को स्वरुप दे रहे हैं। पूरे देश में, युवा भारतीय इस बारे में गहराई से सोच रहे हैं कि भारत कैसे तेज़ी से आगे बढ़ सकता है, कैसे बेहतर शासन कर सकता है और किस प्रकार 2047 तक विकसित देश बन सकता है। उनके विचार विश्वविद्यालय परिसरों और समुदायों, स्टार्ट-अप और खेल के मैदानों, कक्षाओं और गांव की बैठकों में उभरकर सामने आ रहे हैं। वास्तविक सवाल अब यह नहीं रहा कि क्या युवाओं के पास योगदान देने के लिए कुछ है, बल्कि यह है कि क्या उनके विचारों को राष्ट्र की दिशा को प्रभावित करने के लिए एक सशक्त मंच दिया जा रहा है। विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी)को ऐसा ही मंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

आज भारत में विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी निवास करती है। इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि राष्ट्र के भविष्य की दिशा केवल नीतियों या संस्थाओं से नहीं, बल्कि इसके युवा नागरिकों की कल्पना, दृढ़ विश्वास और साहस से निर्धारित होगी। विशाल युवा शक्ति का यह भंडार केवल जनसांख्यिकीय लाभ नहीं है; यह भारत की सबसे बड़ी राष्ट्रीय परिसंपत्ति है, जो नवाचार को गति देने, लोकतंत्र को मजबूत करने तथा देश को समावेशी और सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाने में सक्षम है।

भारत की युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को मजबूत उद्देश्य और संभावना से मार्गदर्शन मिलता है। आज का युवा केवल व्यक्तिगत उन्नति से प्रेरणा प्राप्त नहीं करता है; वह जिम्मेदारी उठाने और सार्थक प्रभाव डालने की इच्छा से भी प्रेरित होता है। वे ऐसे रास्तों की खोज करते हैं, जहां उनकी रचनात्मकता, समाधानों में बदल सके, उनकी ऊर्जा नेतृत्व में और उनकी महत्वाकांक्षा सेवा में परिवर्तित हो सके।

युवा मामलेऔर खेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, मुझे विभिन्न पृष्ठभूमियों में - जैसे विश्वविद्यालय परिसरों में, ग्रामीण जिलों में, खेल मैदानों में और युवा नेतृत्व वाली सामुदायिक पहलों में - युवा भारतीयों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला है। जो चीज़ हमेशा स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, वह यह है कि युवा लोग देश के भविष्य के बारे में कितनी गंभीरता से सोचते हैं।

मुझे वह मौका याद है जब मैं ग्रामीण युवा स्वयंसेवकों के एक समूह से मिला, जिन्होंने अपने गाँवों में अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों का आयोजन किया था। सीमित संसाधनों के बावजूद, दृढ़ विश्वास के साथ, वे शिक्षा और कौशल विकास की कमियों का स्थानीय रूप से डिज़ाइन किए गए उपायों के माध्यम से समाधान कर रहे थे। उनके विचार व्यावहारिक थे, जमीनी वास्तविकताओं से जुड़े थे और जिम्मेदारी की स्पष्ट भावना से संचालित थे। इस तरह के अनुभव एक सरल सच्चाई की पुष्टि करते हैं- जब युवा लोगों पर भरोसा किया जाता है और उन्हें स्थारन दिया जाता है, तो वे केवल भाग नहीं लेते, बल्कि नेतृत्व करते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से आह्वान किया था कि ऐसे एक लाख युवाओं को सार्वजनिक जीवन में लाया जाना चाहिए, जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि न हो। प्रधानमंत्री की इसी भावना से प्रेरित होकर जनवरी 2025 में विकसित भारत युवा नेता संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें राष्ट्रीय युवा महोत्सव की परिकल्पना पूरी तरह से नए प्रारूप में की गयी है। प्रतिक्रिया अभूतपूर्व रही। विकसित भारत चुनौती के माध्यम से 30 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया, दो लाख से अधिक निबंध प्रस्तुत किए गएऔर हजारों युवाओं ने राज्य स्तर पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस आयोजन का समापन दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ, जहां 3,000 युवा नेताओं को प्रधानमंत्री के साथ खुलकर संवाद करने का अवसर मिला, जिन्होंने कई घंटों तक उनके विचार सुने और उन्हें नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया।

संख्याओं से परे, सहभागिता की प्रकृति ने इस संवाद को वास्तव में ऐतिहासिक बनाया। इसने मान्यता दी कि भारत की युवा शक्ति के विचार 2047 के भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण हैं।

युवा प्रतिभागियों को राष्ट्रीय चुनौतियों के बारे में गंभीरता से सोचने, समाधान प्रस्तुत करने और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को साझा उद्देश्य के साथ जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे आकांक्षा और क्रियान्वयन के बीच का अंतर समाप्त हो गया।

विकसित भारत युवा नेता संवाद की ताकत केवल इसके पैमाने में नहीं, बल्कि इसके डिज़ाइन में है। विचार, भाषा, संस्कृति और अनुभव की विविधता इस पहल की संरचना में निहित है। शहरी और ग्रामीण भारत के युवा, छात्र और पेशेवर, नवोन्मेषी और जमीनी नेता एक मंच साझा करते हैं। कई स्तरों की भागीदारी सुनिश्चित करती है कि संवाद और आदान-प्रदान के माध्यम से विचारपरिष्कृत होंगे, न कि भौगोलिक, भाषा या पृष्ठभूमि के कारण विचारों को छांट दिया जाएगा। ऐसा करके, संवाद सुनिश्चित करता है कि भाग लेने वाले हर युवा के पास अपनी बात को रखने का अवसर है और उसे विस्तार देने का एक मंच भी है।

भारत के युवाओं ने हमेशा देश के निर्णायक क्षणों में मुख्य भूमिका निभाई है, स्वतंत्रता संग्राम से लेकर स्वतंत्र भारत के संस्थानों के निर्माण तक। हर मोड़ पर, युवा भारतीय साहस, विश्वास और नेतृत्व करने की इच्छा के साथ आगे बढ़े हैं।

केवल भागीदारी के लिए नहीं, बल्कि भारत की विकास कहानी के साझा-निर्माणका नेतृत्व करने और इसे गति देने के लिए,आज, राष्ट्र फिर से अपने युवाओं की ओर देख रहा है। 2047 में विकसित भारत का विज़न केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण जिम्मेदारी, तकनीकी मार्गदर्शन और समावेशी विकास की भी मांग करता है। इन जटिल चुनौतियों के लिए ताजा सोच, अनुकूलन क्षमता और अभिनव को अपनाने की योग्यता की आवश्यकता है- ये गुण भारत की युवा शक्ति में प्रबल रूप से मौजूद हैं।

पहली ऐतिहासिक संस्करण की शानदार सफलता के आधार पर, वीबीवाईएलडी2026, जो 9-12 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा, राष्ट्रीय युवा सम्मेलन से एक ऐसे मंच की ओर निर्णायक छलांग का संकेत देता है जिसकी प्रतिध्वनि वैश्विक है। 'भारत के लिए डिज़ाइन' और 'विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी'जैसी नई पहलों और अंतरराष्ट्रीय भारतीय युवा प्रवासीकी भागीदारी के साथ, संवादों का अब सीमाओं के पार तक प्रसार होता है। फिर भी, इसका मूल उद्देश्य अपरिवर्तित रहता है- युवाओं को साहसपूर्वक सोचने, निडरता से रचना करने और दृढ़ विश्वास के साथ नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाना।

इस साल के आयोजन का पैमाना इस महत्वाकांक्षा की गहराई को रेखांकित करता है। विकसित भारत क्विज में 50 लाख से अधिक युवा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जो वीबीवाईएलडी2026 के चयन का पहला चरण था। यह इसे अपने तरह के सबसे बड़े युवा सहभागिता कार्यक्रमों में से एक बनाता है। चार दिनों के दौरान, देश के हर कोने के प्रतिभागी व्यावहारिक अंतर्दृष्टियों, विचारों और दृष्टिकोणों का लाभ उठाते हुए प्रमुख राष्ट्रीय और वैश्विक व्यक्तित्वों के साथ संवाद करेंगे, जो विषयों और भौगोलिक सीमाओं से परे जाते हैं।

वास्तव में वीबीवाईएलडी2026 को अलग बनाने वाली चीज यह है कि यह हमारी युवा शक्ति को केवल बोलने का मौका नहीं देता, बल्कि उन्हें सुने जाने का भी अवसर प्रदान करता है। यह मंच युवा भारतीयों को अपने विचारों, आकांक्षाओं और समाधानों को भारत के प्रधानमंत्री के सामने सीधे प्रस्तुत करने में सक्षम बनाता है। 12 जनवरी को, जिसे पूरे देश में स्वामी विवेकानंद की स्मृति में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व्यक्तिगत रूप से भारत मंडपम में युवाओं के साथ संवाद करेंगे, उनसे सुनेंगे कि वे भविष्य की भारत की कल्पना कैसे करते हैं और किस रूप में उसे आकार देने का इरादा रखते हैं।

जैसे-जैसे भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ रहा है, देश को उन युवाओं की सक्रिय भागीदारी की जरूरत है, जिनमें बड़े सपने देखने का साहस है और विचारों को सार्थक कार्य में बदलने का दृढ़ संकल्प है। संवाद के लिए एक मंच से कहीं अधिक, विकसित भारत युवा नेता संवाद एक अभियान है, जो भारतीय युवाओं को आगे बढ़कर नेतृत्व करने, राष्ट्रीय चुनौतियों का सामना करने और विकसित भारत के साथ अपनी आकांक्षाओं को जोड़ने का आह्वान करता है।

विकसित भारत का निर्माण उन्हीं के द्वारा किया जाएगा, जिनमें नेतृत्व करने का आत्मविश्वास और सेवा करने की प्रतिबद्धता है। भारत के युवा तैयार हैं। राष्ट्र को उनके साथ चलने के लिए तैयार रहना चाहिए।

****

(लेखक भारत सरकार में केंद्रीय युवा मामलेऔर खेल तथा श्रम एवं रोजगारमंत्रीहैं)

तेलंगाना में 58वीं सीनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप का भव्य आगाज, 1,400 से अधिक एथलीट ले रहे हैं हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली/काजीपेट (तेलंगाना)। तेलंगाना के काजीपेट स्थित रेलवे स्टेडियम में 58वीं सीनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप (पुरुष एवं महिला) 2025-26 का शानदार शुभारंभ हुआ। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर से 1,400 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह बेहद भव्य रहा, जिसमें टीमों की परेड, अनुशासित एनसीसी मार्च-पास्ट और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। तेलंगाना खो-खो एसोसिएशन और आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों की सराहना करते हुए केकेएफआई अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, 'इतनी बड़ी भागीदारी के साथ इस तरह का भव्य सीनियर नेशनल्स आयोजन देखकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। देश के हर कोने से खिलाड़ी यहां पहुंचे हैं। हर खो-खो खिलाड़ी की आंखों में अपने खेल को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का सपना है। हमारा लक्ष्य 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों में खो-खो को शामिल कराना है और हम इस सपने को जरूर साकार करेंगे।' खेल मंत्री वाकिटी श्रीहरि ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा, 'इस शानदार आयोजन को देखकर ऐसा लगता है जैसे मैं दिल्ली में बैठा हूं, काजीपेट में नहीं। देश के हर हिस्से से टीमों की भागीदारी यह दर्शाती है कि खो-खो कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है। मैं केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल, महासचिव उपकार सिंह और तेलंगाना खो-खो एसोसिएशन के अध्यक्ष जंगा राघव रेड्डी को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद देता हूं।'

महिला प्रीमियर लीग: नंदनी शर्मा ने की दीप्ति शर्मा की बराबरी, हैट्रिक लेने वाली चौथी गेंदबाज बनीं

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग 2026 में एक रोमांचक मुकाबला नवी मुंबई में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स के बीच खेला गया। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाज नंदनी शर्मा ने अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा। नंदनी ने हैट्रिक सहित 5 विकेट लिए। आइए जानते हैं कि नंदनी शर्मा कौन हैं? नंदनी शर्मा का जन्म 20 सितंबर 2001 को चंडीगढ़ में हुआ था। दाएं हाथ की इस प्रभावशाली तेज गेंदबाज को दिल्ली कैपिटल्स ने नीलामी में 20 लाख में खरीदा था। दिल्ली कैपिटल्स के भरोसे पर नंदनी शर्मा पूरी तरह से खरी उतरी हैं। गुजरात जायंट्स के खिलाफ खेले गए मैच में दिल्ली कैपिटल्स के सारे गेंदबाज प्रभावहीन नजर आए, लेकिन नंदनी ने अपनी गेंदबाजी से गुजरात के बल्लेबाजों को परेशान किया। नंदनी

ने 4 ओवर में 33 रन देकर 5 विकेट लिए। नंदनी ने गुजरात जायंट्स की मजबूत बैटिंग लाइन-अप को झकझोर दिया। उन्होंने 95 रन पर खेल रही सोफी डिवाइन को आउट कर अपना पहला विकेट लिया, जो गुजरात की पारी के लिए बड़ा झटका था। इसके बाद नंदनी आखिरी ओवर में गेंदबाजी करने लौटीं और वहीं मैच का सबसे नाटकीय पल देखने को मिला। गुजरात की पारी के अंतिम ओवर में नंदनी ने चार विकेट चटकाए, जिसमें एक यादगार हैट्रिक भी शामिल थी। इस हैट्रिक में पहले कनिका आहूजा स्टंप आउट हुईं, जब वह आगे बढ़कर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश कर रही थीं। अगली गेंद पर नंदनी ने राजेश्वरी गायकवाड़ को क्लीन बोल्ड किया और फिर आखिरी गेंद पर रेणुका ठाकुर के स्टंप्स उखाड़कर महिला प्रीमियर लीग में बड़ी उपलब्धि हासिल की।

महिला प्रीमियर लीग के इतिहास में हैट्रिक लेने वाली नंदनी दूसरी भारतीय गेंदबाज हैं। उनसे पहले दीप्ति शर्मा ये उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। इसके अलावा इंग्लैंड की इस्सी वोंग और ऑस्ट्रेलिया की ग्रेस हैरिस के नाम भी महिला प्रीमियर लीग में हैट्रिक लेने का रिकॉर्ड है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले लगातार हार पर स्वियातेक बोलीं-किसी तरह की चिंता नहीं है, सब कुछ ठीक है

सिडनी। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 से ठीक पहले लगातार दो मुकाबले हारने के बावजूद वर्ल्ड नंबर-2 इगा स्वियातेक ने कहा है कि उन्हें किसी तरह की चिंता नहीं है और 'सब कुछ ठीक है।' पोलैंड की स्टार खिलाड़ी ने माना कि उनका शरीर काफी थका हुआ और 'सुपर सोर' है, लेकिन वह सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम से पहले पूरी तरह उबरने को लेकर आश्वस्त हैं। स्वियातेक को सिडनी में खेले गए यूनाइटेड कप फाइनल में स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेंचिच के खिलाफ 6-3, 0-6, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले सेमीफाइनल में उन्हें कोको गॉफ ने 4-6, 2-6 से मात दी थी। बेंचिच के खिलाफ मुकाबले में स्वियातेक पूरी तरह लय से बाहर नजर आईं।

उन्होंने लगातार सात गेम गंवाए, जिसमें एक दुर्लभ 'लव सेट' भी शामिल रहा। मैच के अंत में रैकेट फेंकना और उनकी आंखों में आंसू उनकी निराशा को साफ दर्शा रहे थे। यह प्रदर्शन छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक के लिए असामान्य रहा, जो आमतौर पर लगातार मैच नहीं हारतीं। हालांकि, टीम इवेंट के रूप में खेले गए इस टूर्नामेंट में पोलैंड ने 2-1 से खिताब अपने नाम किया, जब कातार्जीना कावा और जान ज़िलिंस्की ने निर्णायक मिक्स्ड डबल्स मुकाबला जीत लिया। फाइनल के बाद स्वियातेक ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'सब कुछ ठीक है। बस शरीर बहुत ज्यादा थका हुआ है। साल का पहला टूर्नामेंट होता है, तो शरीर पर इसका असर थोड़ा अलग पड़ता है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 ड्रॉ से पहले एटीपी रैंकिंग में अल्कराज-सिनर शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली। मेलबर्न में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के ड्रॉ से पहले सोमवार को ताज़ा एटीपी रैंकिंग जारी कर दी गई है। स्पेन के कार्लोस अल्कराज और इटली के जैनिक सिनर ने क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति बरकरार रखी है। यही रैंकिंग ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के ड्रॉ के लिए इस्तेमाल की जाएगी, जिसका आयोजन गुरुवार को होगा।अल्कराज और दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन सिनर को ड्रॉ में अलग-अलग हाफ में रखा जाएगा, ठीक वैसे ही जैसे पिछले चार ग्रैंड स्लैम में देखने को मिला है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों खिलाड़ियों ने इस सीजन में अब तक कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है। हालांकि, शनिवार को दक्षिण कोरिया के इंचियोन में एक एग्ज़ीबिशन मैच में दोनों आमने-सामने आए थे। अन्य प्रमुख बदलावों की बात करें तो कज़ाखस्तान के अलेक्ज़ेंडर बब्लिक ने हांगकांग ओपन का खिताब जीतकर पहली बार एटीपी टॉप-10 में जगह बना ली है। फाइनल में उन्होंने इटली के लोरेन्ज़ो मुसेत्ती को सीधे सेटों में हराया। 28 वर्षीय बब्लिक ने अपने करियर का नौवां खिताब जीता और एक स्थान की छलांग लगाकर 10वें नंबर पर पहुंच गए। फाइनल में हार के बावजूद मुसेत्ती को फायदा हुआ और वह दो स्थान ऊपर चढ़कर करियर की सर्वश्रेष्ठ 5वीं रैंकिंग पर पहुंच गए। उन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम से यह स्थान छीना।

राफिन्हा के दो गोल की बदौलत बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को हराकर स्पेनिश सुपर कप का खिताब जीता

जेद्दा। जेद्दा के किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में रविवार रात खेले गए स्पेनिश सुपर कप 2026 के फाइनल में बार्सिलोना ने रोमांचक मुकाबले में रियल मैड्रिड को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के हीरो रहे राफिन्हा, जिन्होंने दो शानदार गोल दागे। मैच की शुरुआत दोनों टीमों के बीच संतुलित रही, लेकिन पहले हाफ के अंतिम 10 मिनटों में मुकाबला पूरी तरह रोमांच से भर गया। 36वें मिनट में राफिन्हा ने बॉक्स में घुसकर शानदार लो शॉट लगाते हुए बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम के दूसरे मिनट में रियल मैड्रिड ने जोरदार वापसी की। विनीसियस जूनियर ने हाफवे लाइन के पास से गेंद लेकर तेज दौड़ लगाई, दो डिफेंडरों को छकाया और बेहतरीन फिनिश के साथ स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि, बार्सिलोना को दो मिनट के भीतर फिर बढ़त हासिल कर ली। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की को पेनल्टी एरिया में जगह मिली और उन्होंने खूबसूरत चिप शॉट के जरिए टीम को 2-1 से आगे कर दिया। लेकिन पहले हाफ का ड्रामा यहीं खत्म नहीं हुआ।

गोरखपुर महोत्सव : टेबल टेनिस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

गोरखपुर। गोरखपुर महोत्सव के अंतर्गत आयोजित टेबल टेनिस प्रतियोगिता रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम स्थित कबड्डी हाल में उत्साह और खेल भावना के साथ सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि मांधाता सिंह, अध्यक्ष युवा चेतना समिति, गोरखपुर ने किया। प्रतियोगिता में 36 बालक एवं 7 बालिकाओं ने भाग लिया। कुल 45 मुकाबले खेले गए, जिनमें 38 मैच बालक वर्ग तथा 7 मैच बालिका वर्ग के रहे। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और रोमांचक रैलियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बालक डबल्स में वीर आदित्य सिंह एवं करण निषाद ने प्रथम स्थान, आदित्य श्रीवास्तव एवं अंश मिश्रा ने द्वितीय स्थान तथा कारण एवं तन्मय पांडे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक सिंगल्स में आदित्य पांडेय प्रथम, अखिल कुमार द्वितीय एवं हर्षित कुमार तृतीय स्थान पर रहे।

गौतम गंभीर नहीं हर्षित राणा अपने पिता की वजह से बल्लेबाजी पर ध्यान देते हैं

एजेंसी

वडोदरा। भारतीय क्रिकेट टीम में हर्षित राणा को एक तेज गेंदबाज के रूप में जगह मिली थी। पिछले एक साल में दाएं हाथ के इस गेंदबाज ने तीनों ही फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। गेंदबाजी के साथ-साथ उन्हें बल्लेबाजी का भी मौका दिया जाता है और इसका श्रेय हेड कोच गौतम गंभीर को दिया जाता है। राणा ने इसका खंडन किया है। वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला वनडे मुकाबला जीतने के बाद बीसीसीआई टीवी पर हर्षित राणा ने अपनी बल्लेबाजी को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी की शुरुआत पापा ने करवाई थी। वे शुरू से ही मेरी बल्लेबाजी पर ध्यान देते रहे हैं। उनका मानना है कि ऑलराउंडर्स को भारतीय टीम में जल्दी खेलने का मौका मिलता है, इसलिए उन्होंने हमेशा गेंदबाजी के साथ-साथ मेरी बल्लेबाजी पर भी ध्यान दिया है। राणा ने कहा कि पापा हर मैच के बाद मुझे फोन करते हैं। मैं जिस

तरह 20 रन पहले आउट होकर आया, मुझे डर लग रहा है कि मैं उनसे कैसे बात करूंगा। हर्षित राणा के इस बयान से स्पष्ट हो गया है कि गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी पर भी वह कम उम्र से ही ध्यान देते हैं और इसके पीछे की वजह उनके पिता हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले मैच में राणा ने गेंदबाजी और फिर बल्लेबाजी में उपयोगी अंशदान देते हुए टीम इंडिया की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। गेंदबाजी में 10 ओवर में 65 रन देकर 2 विकेट लेने वाले राणा ने बल्लेबाजी के दौरान 23 गेंद पर 29 रन बनाए थे। राणा ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी कहा कि टीम उन्हें एक ऑलराउंडर के रूप में तैयार करना चाहती है ताकि अगर निचले क्रम में कुछ रनों की जरूरत हो, तो मैं बना सकूं।

न्यूजीलैंड के दिए 301 रन के लक्ष्य को भारतीय टीम ने 49 ओवर में 6 विकेट पर 306 रन बनाकर हासिल किया था। 93 रन बनाने वाले विराट कोहली प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में आखिरी बार दिख सकते हैं निक किर्गियोस: पॉल मैकनेमी

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियन ओपन के पूर्व निदेशक पॉल मैकनेमी ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टेनिस स्टार निक किर्गियोस के पास अब ग्रैंड स्लैम में प्रभाव छोड़ने का समय धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। मैकनेमी ने कहा कि ऑस्ट्रेलियन ओपन अब इतना बड़ा टूर्नामेंट बन चुका है कि किर्गियोस की गैरमौजूदगी से इसके असर की संभावना कम है। उन्होंने यह भी कहा कि किर्गियोस के लिए अब ग्रैंड स्लैम में प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल होता जा रहा है, क्योंकि उनकी फिटनेस और चोटें उन्हें सीमित कर रही हैं। पिछले कुछ सालों में कलाई और घुटने की सर्जरी के कारण किर्गियोस ने सिर्फ छह प्रोफेशनल सिंगल्स मैच खेले हैं, और उनकी वर्ल्ड रैंकिंग गिरकर 673 पर आ गई है। मैकनेमी ने कहा कि वह और कार्लोस अल्कराज प्रतिभा के मामले में दुनिया के सबसे शानदार खिलाड़ी हैं, लेकिन किर्गियोस की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उनके लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरी हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन में संभवतः वह आखिरी बार दिख सकते हैं।

किर्गियोस ने हाल ही में घोषणा की थी कि वह अपनी फिटनेस की समस्याओं के कारण इस साल के ऑस्ट्रेलियन ओपन के एकल ड्रॉ में हिस्सा नहीं लेंगे। इसके बजाय, वह पुरुषों के डबल्स में थानासी कोकिनाकिस के साथ जोड़ी बनाएंगे।

किर्गियोस ने मार्च 2025 में अपना सीजन खत्म करने से पहले केवल पांच पेशेवर मैच खेले थे। इसके बाद उन्होंने न्यूयॉर्क और दुबई में प्रदर्शनी मैचों के जरिए वापसी की और ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के लिए वाइल्डकार्ड मिला, जहां वे पहले राउंड में बाहर हो गए थे। हालांकि, किर्गियोस और कोकिनाकिस ने पुरुषों के डबल्स में ब्रिस्बेन के दूसरे राउंड में फ्रेंच जोड़ी सादियो डौंबिया और फैबियन रेबोल को हराकर अपने जलवे दिखाए। पूर्व विंबलडन फाइनलिस्ट और 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन डबल्स चैंपियन किर्गियोस की अनोखी स्टाइल और खेल की हमेशा सराहना हुई है। ऑस्ट्रेलियन ओपन का मेन ड्रॉ 18 जनवरी से शुरू होगा, जबकि क्वालिफाइंग 12 जनवरी से खेली जाएगी। किर्गियोस और कोकिनाकिस को पुरुषों के डबल्स में वाइल्डकार्ड दिया गया है, और यह संभवतः उन्हें इस टूर्नामेंट में देखने का आखिरी अवसर भी हो सकता है।

पहला वन डे : शतक से चूके कोहली, न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर भारत ने सीरीज में बनाई लीड

एजेंसी

वडोदरा। भारत ने बीसीए स्टेडियम में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मुकाबले को 4 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 8 विकेट खोकर 300 रन बनाए। इस टीम को डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स की जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने 21.4 ओवरों में 117 रन की साझेदारी की। कॉनवे 67 गेंदों में 7 बाउंड्री के साथ 56 रन बनाकर आउट हुए, जबकि निकोल्स ने 69 गेंदों में 8 चौकों के साथ 62 रन बनाए। टीम ने 126 रन तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे। यहां से डेरिल मिशेल ने मोर्चा संभाला। मिशेल ने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए टीम को 281 के स्कोर तक पहुंचाया। इस बीच क्रिस्चियन क्लार्क के साथ आठवें विकेट के लिए 25 गेंदों में 42 रन जुटाए। इस बल्लेबाज ने 71 गेंदों

में 3 छक्कों और 5 चौकों के साथ 84 रन की पारी खेली। वहीं, क्लार्क ने 17 गेंदों में 3 चौकों के साथ नाबाद 24 रन बनाए। भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि कुलदीप यादव को 1 विकेट हाथ लगा। इसके जवाब में भारत ने 49 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने भारत को संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने 8.4 ओवरों में 39 रन जुटाए। रोहित 29 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद गिल ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 118 रन जुटाकर टीम को 157 के स्कोर तक पहुंचा दिया। गिल 71 गेंदों में 5 बाउंड्री के साथ 56 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद विराट कोहली ने मोर्चा संभाला। उन्होंने श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 77 रन जुटाते हुए टीम इंडिया के स्कोर को 234 रन तक पहुंचा दिया। कोहली 91 गेंदों में 1 छक्के और 8 चौकों की मदद से 93 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अय्यर ने 47 गेंदों में 49 रन की पारी खेली। केएल राहुल और हर्षित राणा ने 29-29 रन की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाने में भूमिका निभाई। विपक्षी खेमे से काइल जैमीसन ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि आदित्य अशोक और क्रिस्चियन क्लार्क ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

सीरी ए: मैकटोमिने के दो गोल से नापोली ने इंटर के खिलाफ खेला ड्रा

एजेंसी

मिलान। मिलान के सान सिरो स्टेडियम में खेले गए सीरी ए के शीर्ष मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन नापोली ने शानदार जज्बा दिखाते हुए लीग लीडर इंटर मिलान के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ हासिल किया। नापोली के लिए स्कॉट मैकटोमिने ने दोनों गोल दागे, जबकि टीम के मुख्य कोच एंटोनियो कॉन्टे को रेफरी से बहस के चलते रेड कार्ड का सामना करना पड़ा। इस ड्रॉ के साथ इंटर मिलान के 43 अंक हो गए हैं और वह तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। दूसरे स्थान पर मौजूद एसी मिलान के 40 अंक हैं, जिसने इससे पहले फियोरेंटीना के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था। नापोली 39 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और खिताबी दौड़ में बना हुआ है। मैच की शुरुआत में नापोली ने दबाव बनाया, लेकिन नौवें मिनट में इंटर ने बढ़त हासिल कर ली। मिडफील्ड में गेंद गंवाने के बाद मार्कस थुराम गेंद लेकर आगे बढ़े और बॉक्स में फेडेरिको डिमार्को को पास दिया, जिन्होंने तीखे एंगल से लो शॉट लगाकर गेंद को दूर कोने में पहुंचा दिया। इसके बाद इंटर ने हाई प्रेसिंग शुरू की और नापोली को लंबे समय तक अपने ही हाफ में रोके रखा। हालांकि 26वें मिनट में नापोली ने अचानक बराबरी हासिल कर ली। लियोनार्डो स्पिनाज़ोला के पास पर एलिजफ एल्मास बॉक्स में पहुंचे और उनकी लो क्रॉस को मैकटोमिने ने नज़दीकी पोस्ट पर मैनुएल अकांजी से आगे निकलते हुए यान सोमर को छकाकर गोल में बदल दिया। हाफटाइम से ठीक पहले थुराम का हेडर गोलकीपर वान्या मिलिनकोविच-साविच ने टिप कर दिया और दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर ब्रेक तक पहुंचीं। दूसरे हाफ में नापोली के पास बढ़त लेने के मौके आए।

पूर्व वर्ल्ड नंबर-3 मिलोस राओनिक ने पेशेवर टेनिस से लिया संन्यास

एजेंसी

सिडनी। कनाडा के पूर्व विश्व नंबर-3 टेनिस खिलाड़ी मिलोस राओनिक ने 35 वर्ष की उम्र में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। अपनी जबरदस्त सर्विस के लिए 'मिसाइल' के नाम से मशहूर राओनिक ने करीब डेढ़ दशक लंबे करियर में आठ एटीपी टूर खिताब जीते और 2 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की इनामी राशि अर्जित की। राओनिक के करियर का सर्वश्रेष्ठ दौर वर्ष 2016 में रहा, जब उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल और विंबलडन के फाइनल में जगह बनाई। हालांकि, दोनों ही मुकाबलों में उन्हें ब्रिटेन के एंडी मरे से हार का सामना करना पड़ा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुए राओनिक ने लिखा, 'यह वह पल है जिसके आने का आपको

एहसास होता है लेकिन आप कभी इसके लिए पूरी तरह तैयार नहीं होते। यह जितना तैयार मैं हो सकता था, उतना ही है। टेनिस मेरे जीवन का सबसे बड़ा प्यार और जुनून रहा है।' उन्होंने कहा, 'मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे अपने सपनों को जीने और पूरा करने का मौका मिला। हर दिन बेहतर बनने पर ध्यान देना और देखना कि यह मुझे कहां तक ले जाता है- यही मेरी जिंदगी रही।' पूर्व यूगोस्लाविया में 1990 के दशक की शुरुआत में जन्मे राओनिक महज तीन साल की उम्र में अपने परिवार के साथ कनाडा चले गए थे। उन्होंने 2008 में पेशेवर टेनिस में कदम रखा और 2011 में पैसिफिक कोस्ट चैंपियनशिप जीतकर अपना पहला एटीपी खिताब हासिल किया, जहां उन्होंने फाइनल में फर्नांडो वर्डास्को को हराया। राओनिक 2013 से 2020 के बीच चार बार मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे लेकिन खिताब जीतने से चूक गए। इनमें पहला फाइनल कनाडियन ओपन में राफेल नडाल के खिलाफ था, जबकि बाकी तीन फाइनल में उन्हें नोवाक जोकोविच से हार मिली। 2020 सिनसिनाटी मास्टर्स में जोकोविच के खिलाफ खेला गया फाइनल उनके करियर का आखिरी एटीपी फाइनल साबित हुआ। उनका आखिरी टूर-स्तरीय मुकाबला 2024 पेरिस ओलंपिक में रहा, जहां पहले दौर में उन्हें जर्मनी के डोमिनिक कोएफर से हार का सामना करना पड़ा। अपने भविष्य को लेकर राओनिक ने कहा, 'आगे क्या है? मैं रुकने वाला नहीं हूं। जिंदगी में अभी बहुत कुछ बाकी है और मैं उतना ही प्रेरित और भूखा हूं, जितना 2011 में था, जब मैंने टूर पर अपनी पहचान बनाई थी।'

न्यूज़ीलैंड वनडे सीरीज से बाहर हुए वॉशिंगटन सुंदर, आयुष बडोनी को मिला मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज के बीच भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर चोट के कारण शेष दो वनडे मैचों से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई के अनुसार, वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले गए पहले वनडे के दौरान गेंदबाजी करते समय सुंदर की बाई निचली पसली के हिस्से में अचानक दर्द हुआ। चोट लगने के बाद सुंदर ने केवल पांच ओवर ही गेंदबाजी की और इसके बाद मैदान छोड़ना पड़ा। वह न्यूज़ीलैंड की पारी के दौरान दोबारा फील्डिंग के लिए नहीं उतर सके, जिसके चलते भारतीय पारी में केवल एक ही गेंदबाज अपना पूरा 10 ओवर का कोटा पूरा कर पाया। हालांकि, 301 रनों के लक्ष्य का पीछा करते समय हर्षित राणा के आउट होने के बाद सुंदर को मजबूरी में नंबर 8 पर बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ा। साफ तौर पर असहज दिख रहे सुंदर ने एक छोर संभाले रखा, जबकि केएल राहुल ने पारी को संभालते हुए अंतिम से पहले ओवर में भारत को जीत दिलाई। बीसीसीआई ने बताया कि सुंदर की चोट की आगे स्कैन जांच की जाएगी, जिसके बाद मेडिकल टीम विशेषज्ञों की राय लेगी। फिलहाल उन्हें आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वनडे सीरीज के शेष दोनों मुकाबलों से बाहर कर दिया गया है। इसके साथ ही न्यूज़ीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में उनकी उपलब्धता भी संदेह में है। शुरुआती टी20 मैचों में उनका खेलना मुश्किल माना जा रहा है। यह चोट ऐसे समय पर आई है जब भारतीय टीम पहले से ही तिलक वर्मा के बिना पहले तीन टी20 मैच खेलने जा रही है। तिलक के बाहर होने और सुंदर की फिटनेस को लेकर अनिश्चितता ने आगामी मेंस टी20 वर्ल्ड कप से पहले टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। भारत 7 फरवरी से मुंबई में अपने टी20 वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगा। इस बीच, पुरुष चयन समिति ने वॉशिंगटन सुंदर के स्थान पर आयुष बडोनी को टीम में शामिल किया है। बडोनी दूसरे वनडे से पहले राजकोट में टीम से जुड़ेंगे। यह बडोनी का वनडे टीम में पहला मौका है।

दूसरे और तीसरे वनडे के लिए भारत की अपडेटेड टीम-

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आयुष बडोनी।

विकसित भारत युवा नेता संवाद 2026 के तीसरे दिन की प्रेरक शुरुआत, इसरो अंतरिक्ष यात्रियों से युवाओं का संवाद

एजेंसी

नई दिल्ली। विकसित भारत युवा नेता संवाद 2026 (वीबीवाईएलडी 2026) के तीसरे दिन की शुरुआत भारत मंडपम में उत्साह और ऊर्जा के साथ हुई। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में इसरो के अंतरिक्ष यात्रियों के साथ प्रेरक संवाद, केंद्रीय मंत्रियों का मार्गदर्शन और भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाती रंगारंग प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने युवा नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं की निरंतर मेहनत ही भारत को 'विकसित भारत' के लक्ष्य तक ले जाएगी। उन्होंने लगभग 50 लाख युवाओं में से चयनित प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि यह चयन राज्यों और राष्ट्र के विश्वास का प्रतीक है। डॉ मांडविया ने युवाओं से माई भारत मंच से जुड़े रहने और नशा-मुक्त युवा अभियान को विकसित भारत की दिशा में अहम बताया। उन्होंने कहा कि नशा-मुक्त युवा ही मजबूत राष्ट्र की नींव रख सकते हैं और इसके लिए विश्वविद्यालयों व विद्यालयों में निरंतर जनजागरूकता आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से एक करोड़ से अधिक युवाओं को माई भारत से जोड़ने का आह्वान किया। दिन की शुरुआत इसरो के गगनयान मिशन से जुड़े वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और ग्रुप कैप्टन प्रशांत नायर के साथ संवाद से हुई।

गुजरात जायंट्स से मिली करीबी हार पर दिल्ली की तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा ने कहा-हम आखिरी गेंद तक मुकाबले में बने रहे

एजेंसी

मुंबई। जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की सह-मालिकाना वाली दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में ज़बरदस्त ऑलराउंड प्रदर्शन किया, लेकिन डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में गुजरात जायंट्स के खिलाफ़ चार रन से हार का सामना करना पड़ा।210 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर 205 रन ही बना सकी और आखिरी गेंद तक मुकाबले में बनी रही। लक्ष्य का पीछा करते हुए लिज़ेल ली ने 54 गेंदों पर 86 रन की शानदार पारी खेली, जबकि लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 38 गेंदों में तेज़तर्रार 77 रन बनाए। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाज़ी का नेतृत्व युवा तेज़ गेंदबाज़ नंदनी शर्मा ने किया, जिन्होंने 33 रन देकर 5 विकेट लिए। डब्ल्यूपीएल में अपना महज़ दूसरा मुकाबला खेल रहीं नंदनी ने इतिहास रचते हुए टूर्नामेंट में हैट्रिक लेने वाली पहली अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। इसके साथ ही वह डब्ल्यूपीएल में पांच विकेट लेने वाली पहली भारतीय तेज़ गेंदबाज़ भी बनीं। नंदनी ने पारी के अंतिम ओवर में चार विकेट झटकते हुए गुजरात की पारी पर लगाम कस दी।

करीबी मुकाबले पर प्रतिक्रिया देते हुए नंदनी शर्मा ने फ्रेंचाइज़ी की ओर से जारी बयान में कहा, 'हम आखिरी गेंद तक मुकाबले में बने रहे। सभी खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और हम जीत के बहुत करीब थे। क्रिकेट में ऐसी चीज़ें होती रहती हैं, लेकिन जिस तरह से टीम ने संघर्ष किया, वह बहुत सकारात्मक था।' मैदान पर कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स से मिले सहयोग को लेकर नंदनी ने कहा, 'जेमी मुझे लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए कह रही थीं। वह हर गेंद पर मुझे गाइड कर रही थीं, जिससे मुझे काफ़ी मदद मिली और मैं शांत रह पाई।'

टीम के अनुभवी खिलाड़ियों से मिले मार्गदर्शन पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मारीज़ान काप ने मेरी बहुत मदद की है। वह पिच, मैच की स्थिति और किस लेंथ पर गेंदबाज़ी करनी है, इस बारे में मुझसे बात करती हैं। इतने अनुभवी खिलाड़ी का साथ होना चीज़ों को आसान बना देता है।' अपने क्रिकेट सफ़र के बारे में नंदनी ने कहा, 'मेरे बड़े भाई क्रिकेट खेलते थे और रोज़ अकादमी जाते थे, वहीं से मैंने भी शुरुआत की।

मैं आठ साल की उम्र में जुड़ी, लेकिन छोटी होने की वजह से शुरुआत में ज़्यादा मौके नहीं मिले। कुछ समय के लिए मैंने खेल छोड़ दिया, लेकिन छह महीने बाद फिर से शुरू किया। बाद में एक कोच के साथ अभ्यास किया, जिन्होंने मुझे खास तौर पर बाउंसर डालना सिखाया। लॉकडाउन के बाद मैंने कोच बदला और लड़कों के साथ खेलना शुरू किया।

वे गेंद को आसानी से खेल लेते थे, जिससे मुझे अपनी गति और वैरिएशंस पर काम करने की ज़रूरत महसूस हुई। पिछले एक साल से मैं ज़्यादातर अपने माता-पिता और भाई के साथ अभ्यास कर रही हूं और उन्होंने मुझे भरपूर समर्थन दिया है।' इस स्तर पर मिलने वाली सीख पर उन्होंने कहा, 'यहां बल्लेबाज़ अच्छी गेंदों पर भी शॉट खेल लेते हैं, इसलिए आपको शांत रहकर अपने एग्ज़ीक्यूशन पर ध्यान देना होता है। मैंने बल्लेबाज़ और स्थिति के हिसाब से गेंदबाज़ी करना सीखा है और हर मैच कुछ नया सिखाता है।' युवा तेज़ गेंदबाज़ों के लिए डब्ल्यूपीएल को बड़ा मंच बताते हुए नंदनी ने कहा, 'यह टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों को खुद को अभिव्यक्त करने का मौका देता है। मुश्किल दौर, चोटें और ऐसे पल आएंगे जब चीज़ें आपके पक्ष में नहीं होंगी, लेकिन आपको लड़ते रहना है और कभी हार नहीं माननी है।'

आरबीआई एनपीए, निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक करने के पक्ष में, बैंकों ने किया विरोध

एजेंसी

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा, आरबीएल बैंक, यस बैंक और भारतीय स्टेट बैंक ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) से संपर्क कर डिफॉल्टरों और एनपीए की सूची, जुर्माने और निरीक्षण रिपोर्ट जैसी सूचनाओं को सार्वजनिक करने पर आपत्ति जताई है। दूसरी ओर आरबीआई ने कहा कि आरटीआई अधिनियम के तहत इन अभिलेखों का खुलासा किया जा सकता है। आरटीआई आवेदनकर्ताओं धीरज मिश्रा, वथिराज, गिरीश मित्तल और राधा रामन तिवारी ने आरबीआई में अलग-अलग आवेदन देकर इस बारे में जानकारी मांगी थी। उन्होंने यस बैंक के शीर्ष 100 एनपीए और जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों, एसबीआई और आरबीएल की निरीक्षण रिपोर्ट और बैंक ऑफ बड़ौदा पर वैधानिक निरीक्षण के बाद लगे 4.34 करोड़ रुपये के मौद्रिक जुर्माने से संबंधित दस्तावेजों सहित अन्य जानकारियां मांगी थीं। इन बैंकों ने सीआईसी के पास अपील की, क्योंकि बैंकिंग नियामक आरबीआई ने पाया कि आरटीआई आवेदनकर्ताओं द्वारा मांगी गई जानकारी आरटीआई अधिनियम के तहत सार्वजनिक की जा सकती है।सूचना आयुक्त खुशवंत सिंह सेठी ने बैंकों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए इस मामले को सीआईसी की बड़ी पीठ के पास भेज दिया। अंतिम निर्णय तक सूचना देने पर रोक लगा दी गई है। विशेषज्ञों का कहना है।

रिलायंस गुजरात में करेगी 7 लाख करोड़ रुपये का निवेशः मुकेश अंबानी

एजेंसी

गांधीनगर। वाइब्रेंट गुजरात समिट में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि रिलायंस अगले 5 वर्षों में गुजरात में रुपये 7 लाख करोड़ का निवेश करेगी, जिससे गुजरात और देश के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। मुकेश अंबानी ने बताया कि जामनगर में देश का सबसे बड़ा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) डेटा सेंटर बनाया जा रहा है। इस समिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया, जिसमें देश-विदेश के उद्योगपति शामिल हुए।

मंच से मुकेश अंबानी ने कहा, राजाओं जैसे शहर राजकोट और सौराष्ट्र की पवित्र धरती को मेरा प्रणाम। रिलायंस एक गुजराती कंपनी है। गुजरात हमारी आत्मा है। मेरे पिता धीरूभाई अंबानी सौराष्ट्र की धरती के पुत्र थे। गुजरात का विकास हमारा संकल्प है और भारत माता की सेवा हमारा धर्म है।

अंबानी ने बताया कि पिछले 5 वर्षों में रिलायंस ने गुजरात में रुपये 3.5 लाख करोड़ का निवेश किया और अब अगले 5 वर्षों में रुपये 7 लाख करोड़ का नया निवेश किया जाएगा। जामनगर और कच्छ पर बड़ा फोकस करते हुए रिलायंस के मुकेश अंबानी ने कहा कि जामनगर में दुनिया का सबसे बड़ा क्लीन एनर्जी इकोसिस्टम विकसित किया जा रहा है। जामनगर अब हाइड्रोकार्बन निर्यातक से ग्रीन एनर्जी और मटेरियल्स का बड़ा एक्सपोर्ट हब बनेगा और कच्छ को ग्लोबल क्लीन एनर्जी हब बनाया जाएगा। यहां दुनिया के सबसे बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स से 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जाएगी।

मुकेश अंबानी ने खेल और स्वास्थ्य पर भी ध्यान देते हुए कहा कि रिलायंस फाउंडेशन 2036 ओलंपिक के लिए पार्टनर बनेगी। अहमदाबाद में वीर सावरकर मल्टी-स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का प्रबंधन करेगी और जामनगर में वर्ल्ड क्लास अस्पताल बनाया जा रहा है। मुकेश अंबानी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए कहा, दुनिया तेजी से बदल रही है और वैश्विक अस्थिरता बढ़ रही है, लेकिन भारत सुरक्षित है क्योंकि हमारे पास प्रधानमंत्री मोदी के रूप में एक मजबूत सुरक्षा दीवार है। अपने संबोधन के अंत में मुकेश अंबानी ने नारा लगाया - 'जय सौराष्ट्र, जय कच्छ, जय जय गरवी गुजरात!' और कहा कि गुजरात का विकास ही भारत माता की सच्ची सेवा है।

क्रिप्टो पर भारत ने कसा शिकंजा, उपयोगकर्ताओं के लिए 'लाइव सेल्फी', 'जियो-टैगिंग' अनिवार्य

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिप्टो मार्केट में अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए भारत की वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने सख्त नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। अब क्रिप्टो एक्सचेंजों के लिए नए 'धनशोधन रोधी' और 'अपने ग्राहक को जाने' दिशानिर्देशों के तहत ग्राहकों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए शारीरिक मौजूदगी की जांच और जियो-टैगिंग जैसे नियम अनिवार्य कर दिए गए हैं। इस महीने आठ तारीख को जारी इन ताजा दिशानिर्देशों के अनुसार क्रिप्टो एक्सचेंजों को 'आभासी डिजिटल संपत्ति' (वीडीए) सेवा प्रदाता के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अब इन्हें सिर्फ दस्तावेजों के अपलोड से आगे बढ़कर गहन जांच का सामना करना पड़ेगा। इसके तहत उपयोगकर्ताओं को अब एक 'सजीव सेल्फी' लेनी होगी। इसमें ऐसे सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाएगा, जो यह पुष्टि करेगा कि व्यक्ति खुद वहां मौजूद है। इसमें पलक झपकाने या सिर हिलाने को कहा जाएगा। यह कदम फोटो या 'डीपफेक' के जरिए होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए उठाया गया है।

साथ ही खाता बनाते समय उपयोगकर्ता किस स्थान (अक्षांश और देशांतर), तारीख, समय और किस आईपी एड्रेस का उपयोग कर रहा है, इसका सटीक रिकॉर्ड भी रखना होगा। बैंक खाते की सक्रियता और स्वामित्व साबित करने के लिए मात्र एक रुपये का लेनदेन अनिवार्य कर दिया गया है। इसके तहत पैन कार्ड के साथ ही आधार, पासपोर्ट या वोटर आईडी जैसा दूसरा पहचान पत्र देना होगा। साथ ही ईमेल और फोन नंबर का ओटीपी वेरिफिकेशन भी जरूरी है।

एनटीपीसी छत्तीसगढ़ में 10,000 करोड़ रुपये की लागत से एसएनजी परियोजना स्थापित करेगी

नई दिल्ली। एनटीपीसी छत्तीसगढ़ में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश से कोयला से कृत्रिम प्राकृतिक गैस (एसएनजी) बनाने वाली सुविधा स्थापित करेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कंपनी एसएनजी उत्पादन के तहत कोयले के शोधन और गैसीकरण जैसी विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए प्रौद्योगिकी साझेदारों की तलाश कर रही है। एनटीपीसी ने अक्टूबर 2025 में कोयले से एसएनजी बनाने के लिए इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। एनटीपीसी की अनुसंधान और विकास शाखा 'नेत्रा' 'कोयले को हरित बनाने जैसी तकनीकों को बढ़ावा देने के तहत इस पहल का नेतृत्व कर रही है। अधिकारी के अनुसार, यह परियोजना छत्तीसगढ़ के तलाईपल्ली में लगभग 10,000 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित की जाएगी। सालाना पांच लाख टन क्षमता वाली यह एसएनजी परियोजना 150 एकड़ में फैली होगी और इसमें एनटीपीसी की तलाईपल्ली खदानों से प्राप्त 25 लाख टन कोयले की खपत होगी। अधिकारी ने बताया कि परियोजना के तकनीकी पक्ष को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही तक अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है।

स्पेन, जर्मनी, बेल्जियम और पोलैंड बन रहे भारत के प्रमुख निर्यात गंतव्य

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार स्पेन, जर्मनी, बेल्जियम और पोलैंड 27 देशों के यूरोपीय संघ ब्लॉक के भीतर भारतीय वस्तुओं के लिए स्थिर और प्रमुख निर्यात गंतव्य के रूप में उभर रहे हैं। आंकड़ों बताते हैं कि भारतीय निर्यात के लिए स्पेन एक उच्च विकास वाला यूरोपीय बाजार बनकर उभरा है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान स्पेन को निर्यात में 56 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई और यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में तीन अरब डॉलर से बढ़कर 4.7 अरब डॉलर हो गया। भारत के कुल निर्यात में स्पेन की हिस्सेदारी बढ़कर 2.4 प्रतिशत हो गई, जिसमें 0.5 प्रतिशत अंकों की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसी प्रकार, चालू वित्त वर्ष के आठ महीनों के दौरान जर्मनी को भारत का निर्यात 9.3 प्रतिशत बढ़कर 6.8 अरब डॉलर से 7.5 अरब डॉलर हो गया। एक अधिकारी ने कहा, 'भारत के कुल निर्यात में 2.6 प्रतिशत हिस्सेदारी और 0.2 प्रतिशत अंकों की हिस्सेदारी वृद्धि के साथ, जर्मनी भारतीय उत्पादों के लिए स्थिर मांग प्रदान करना जारी रखता है।' अप्रैल-नवंबर 2025-26 के दौरान बेल्जियम को देश से होने वाला निर्यात 4.2 अरब डॉलर से बढ़कर 4.4 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि के दौरान भारत का पोलैंड को निर्यात 7.6 प्रतिशत बढ़कर 1.82 अरब डॉलर हो गया, जबकि अप्रैल-नवंबर 2024 में यह 1.69 अरब डॉलर था।

तिमाही नतीजों, महंगाई के आंकड़ों और वैश्विक रुझानों से तय होगी बाजार की चाल

नई दिल्ली। इस सप्ताह बाजार की चाल टीसीएस और इंफोसिस जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों, महंगाई के आंकड़ों और वैश्विक रुझानों से तय होगी। विशेषज्ञों ने कहा कि विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों पर भी बाजार की पैनी नजर रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, 'यह सप्ताह पर्याप्त आर्थिक गतिविधियों के साथ कंपनियों के तिमाही नतीजों का दौर शुरू होगा। निवेशक भारत की खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़ों पर करीब से नजर रखेंगे। साथ ही आईटी, बैंकिंग, वित्त और ऊर्जा क्षेत्रों की बड़ी कंपनियों के तिमाही परिणाम भी केंद्र में रहेंगे। ' उन्होंने बताया कि वैश्विक स्तर पर बाजार अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले पर नजर रखेगा, जिसमें ट्रंप के शुल्क की वैधता तय होनी है। यह फैसला बाजार की धारणा के लिए एक बड़ा कारक बन सकता है।बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक इस सप्ताह डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी नजर रहेगी।

टॉप 10 में शामिल देश की 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 3.63 लाख करोड़ की गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण बीएसई की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 7 के मार्केट कैप में 3.63 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 कंपनियों में से 3 कंपनियों के मार्केट कैप में 41 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और लार्सन एंड टूब्रो के मार्केट कैप में 3,63,412.18 करोड़ रुपये की कमी हो गई। दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 41,598.99 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। 5 से 9 जनवरी 2026 के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,58,532.91 करोड़ रुपये फिसल कर 19,96,445.69 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 96,153.61 करोड़ रुपये घट कर 14,44,150.26 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा भारती एयरटेल का मार्केट कैप 45,274.72 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 11,55,987.81 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 18,729.68 करोड़ रुपये कम होकर 5,97,700.75 करोड़ रुपये के स्तर पर, लार्सन एंड टूब्रो का मार्केट कैप 18,728.53 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,53,912.03 करोड़ रुपये के स्तर पर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 15,232.14 करोड़ रुपये घट कर 11,60,682.48 करोड़ रुपये के स्तर पर और इंफोसिस का मार्केट कैप 10,760.59 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 6,70,875 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 34,901.81करोड़ रुपये उछल कर 10,03,674.95 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 6,097.19 करोड़ रुपये की तेजी के साथ 5,57,734.23 करोड़ रुपये के स्तर पर और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मार्केट कैप 599.99 करोड़ रुपये बढ़ कर 9,23,061.76 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,96,445.69 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रही।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह चांदी आज दिल्ली में 11,000 रुपये प्रति किलोग्राम से भी अधिक महंगी हो गई। सोने के भाव में आज आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,40,460 रुपये से लेकर 1,40,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,28,750 रुपये से लेकर 1,28,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 2,60,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 4,640 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 4,250 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,479.38 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचा हुआ है। चांदी के भाव में भी पिछले सप्ताह की कारोबार में 19 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। लंदन सिल्वर मार्केट में चांदी का हाजिर भाव 76.92 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंच गया है।दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,40,610 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,40,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,40,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,40,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,28,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,40,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,40,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,40,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,28,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,40,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

'एक पृथ्वी, एक परिवार' सिद्धांत के तहत भारत न्यायसंगत ऊर्जा परिवर्तन को देगा गतिः प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी की 16वीं सभा में बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने न्यायसंगत और टिकाऊ वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन के लिए भारत के मजबूत समर्थन को रेखांकित किया।तीन दिवसीय सत्र का मुख्य विषय मानवता को शक्ति प्रदान करनाः साझा समृद्धि के लिए नवीकरणीय ऊर्जा है। इसमें उन्होंने न्यायसंगत, समान, किफायती और टिकाऊ वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन के प्रति भारत की मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इस दौरान, मंत्री ने यूएई की जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ आमना बिन्त अब्दुल्ला अल दहाक से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भारत-यूएई सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की। बातचीत का मुख्य केंद्र नवीकरणीय ऊर्जा, विकेन्द्रीकृत ऊर्जा समाधान, विनिर्माण, ऊर्जा भंडारण, प्रौद्योगिकी सहयोग और मिश्रित वित्त में सहयोग बढ़ाना था। विधानसभा को संबोधित

करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऊर्जा परिवर्तन के प्रति भारत का दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुंबकम' (एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य) के सिद्धांत और समानता, समावेशिता तथा नीतिगत स्थिरता पर आधारित दीर्घकालिक दृष्टिकोण से निर्देशित है। उन्होंने 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन विद्युत क्षमता और 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को दोहराया। श्री जोशी ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत ने 2025 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से अपनी स्थापित विद्युत क्षमता का 50 प्रतिशत हासिल कर लिया है, जो पेरिस समझौते के तहत निर्धारित अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान लक्ष्य से पांच साल पहले है। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 266 गीगावॉट से अधिक हो गई है, जिससे देश नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों में शामिल हो गया है। दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते प्रमुख ऊर्जा बाजारों में से एक के रूप में, भारत ऊर्जा भंडारण समाधानों, ग्रिड आधुनिकीकरण, हरित ऊर्जा गलियारों और हाइब्रिड/चौबीसों घंटे चलने वाली नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं जैसी नवीन बोली प्रक्रियाओं के माध्यम से विश्वसनीय और लचीली विद्युत प्रणालियों को प्राथमिकता दे रहा है। मंत्री ने सौर, पवन, बैटरी और इलेक्ट्रोलाइजर जैसे क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण का विस्तार करने के भारत के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला, जो राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता और विविध वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में योगदान दे रहे हैं।

अदाणी समूह कच्छ में करेगा 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश

एजेंसी

अहमदाबाद। अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड (एपीएसईजेड) के प्रबंध निदेशक करण अदाणी ने कहा कि अदाणी समूह अगले पांच वर्षों में गुजरात के कच्छ क्षेत्र में 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। करण अदाणी राजकोट में कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्रों के लिए आयोजित 'वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन' (वीजीआरसी) को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और कई प्रमुख उद्योगति मौजूद थे। उन्होंने कहा, 'अदाणी समूह अगले पांच वर्षों में कच्छ क्षेत्र में 1.5 लाख करोड़ रुपये निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपनी खावड़ा परियोजना को पूरा करेंगे और 2030 तक पूरी 37 गीगावाट क्षमता को चालू कर देंगे। साथ ही, हम अगले 10 वर्षों में मुंद्रा में अपनी बंदरगाह क्षमता को भी दोगुना करेंगे। ' अदाणी ने कहा कि इनमें से प्रत्येक निवेश भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं - रोजगार सृजन, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा, स्थिरता और दीर्घकालिक मजबूती के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता और बिखराव का सामना कर रही है, भारत एक उम्मीद की किरण के रूप में उभर रहा है। भारत लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, अपने विनिर्माण आधार का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात भारत के औद्योगिक रूप से उन्नत और वैश्विक स्तर पर जुड़े राज्यों में से एक है। भारत की जीडीपी में गुजरात का योगदान आठ प्रतिशत से अधिक है, जबकि औद्योगिक उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी 17 प्रतिशत है। करण अडानी ने कच्छ को परिवर्तन का एक शक्तिशाली प्रतीक बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र कभी दूरदराज वाला और चुनौतीपूर्ण माना जाता था, लेकिन अब भारत के प्रमुख औद्योगिक, लॉजिस्टिक और ऊर्जा केंद्रों में एक बनकर उभरा है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला अवाना इलेक्ट्रोसिस्टम्स का आईपीओ, कंपनी ने एंकर इनवेस्टर्स से जुटाए 9.97 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी अवाना इलेक्ट्रोसिस्टम्स का 35.22 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 14 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 15 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 16 जनवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 19 जनवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 56 रुपये से लेकर 59 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। अवाना इलेक्ट्रोसिस्टम्स के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,36,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 59,70,000 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 29 करोड़ रुपये के 48,76,000 नए शेयर और पांच करोड़ रुपये के 7,94,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 9 जनवरी को अवाना इलेक्ट्रोसिस्टम्स ने 5 एंकर इनवेस्टर्स से 9.97 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में फॉर्च्यून हैंड्स ग्रोथ फंड सबसे बड़ा इनवेस्टर रहा। इस एंकर इनवेस्टर ने कंपनी से 5,86,000 शेयर खरीदे। इसके अलावा फॉर्च्यून कलेक्टिव फंड, अर्थ एआईएफ ग्रोथ फंड, एनएवी कैपिटल इमर्जिंग स्टार फंड और श्रेम इनवेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड जैसे प्रमुख नाम भी एंकर बुक में शामिल हुए हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.20 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.30 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.47 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.03 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए इंडकैप एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि इंटीग्रेटेड रजिस्ट्री मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं, असनानी स्टॉक ब्रोकर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार मजबूती आई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 92 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.02 करोड़ रुपये हो गया। इसके बाद वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 8.31 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

अगले सप्ताह छह नए आईपीओ की लॉन्चिंग, पांच शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में छह कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से एक अमागी मीडिया लैब्स का आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि शेष पांच आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इन नई लॉन्चिंग के अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले दो आईपीओ में भी इस सप्ताह 13 जनवरी तक निवेशक बोली लगा सकेंगे। इनमें भारत कोकिंग कोल लिमिटेड का आईपीओ भी शामिल है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह पांच कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 12 जनवरी को अवाना इलेक्ट्रो सिस्टम्स का 35.22 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 14 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 56 रुपये से लेकर 59 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 19 जनवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन नर्मदेश ब्रास इंडस्ट्रीज का 44.87 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 15 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 515 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 240 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 20 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 13 जनवरी को मेनबोर्ड सेगमेंट में अमागी मीडिया लैब्स का 1,788.62 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 16 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 343 रुपये से लेकर 361 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 41 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 21 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

मांग, मुनाफा बढ़ने से एफएमसीजी कंपनियों ने तीसरी तिमाही में मजबूत सुधार दिखाया

एजेंसी

नई दिल्ली। जीएसटी सुधारों, त्योहारों की अच्छी बिक्री और कच्चे माल की कीमतों में कमी के कारण चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एफएमसीजी (रोजमर्रा के इस्तेमाल वाला सामान) उद्योग की बिक्री और मुनाफे में सुधार देखने को मिला। एफएमसीजी कंपनियों ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि जीएसटी के कारण उत्पन्न व्यवधानों, जब वितरक और खुदरा विक्रेता अपने पास मौजूद महंगे सामान को पहले बेचने में लगे हुए थे, के कम होने के बाद एफएमसीजी कंपनियों में धीरे-धीरे सुधार के संकेत दिखाई देने लगे। डाबर, मैरिको और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) जैसी एफएमसीजी कंपनियों ने कहा कि व्यापार स्थिरीकरण के बाद, शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में उपभोक्ता भावना में सुधार हुआ है। हालांकि, पिछले रुझान के अनुरूप, इस तिमाही में भी ग्रामीण मांग शहरी मांग से अधिक रही। एफएमसीजी उद्योग अब आने वाली तिमाहियों में मांग में निरंतर सुधार और राजस्व में वृद्धि की उम्मीद कर रहा है। इसके अलावा चैनलों के संदर्भ में संगठित व्यापार ने अपनी मजबूत वृद्धि गति को बनाए रखा, जिसमें हाइपर-लोकल डिलीवरी मंच सहित ई-कॉमर्स में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि हुई। डाबर ने कहा, 'भारत में हम उम्मीद करते हैं कि केश तेल और दांतों की देखभाल खंड में मजबूत वृद्धि के चलते 'घर और निजी देखभाल' कारोबार में दोहरे अंकों की वृद्धि होगी।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ नर्मदेश ब्रास का आईपीओ, 15 जनवरी तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रास मैन्युफैक्चरिंग कंपनी नर्मदेश ब्रास इंडस्ट्रीज का 44.87 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 15 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 16 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 19 जनवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 20 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 515 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 240 शेयर का है। नर्मदेश ब्रास इंडस्ट्रीज के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 480 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,47,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 8,71,200 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 34 करोड़ रुपये के 6,55,200 नए शेयर और नौ करोड़ रुपये के 1,70,400 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.38 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.38 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.24 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए आर्यमन फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं जेएंडके सिक्योरिटीज एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 89 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 7.10 करोड़ रुपये हो गया। इसके बाद वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ घट कर 5.72 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 की अवधि में कंपनी को 4.01 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में मजबूती बनी रही। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 60.09 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 79.06 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 88.05 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 की अवधि में कंपनी को 34.21 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में लगातार बढ़ोतरी होती गई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 5.94 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 22.43 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 24.73 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी सितंबर 2025 के अंत तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ घट कर 19.21 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 6.97 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 12.69 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये उछल कर 23.30 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2022-23 में 2.13 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 11.41 करोड़ रुपये हो गया।

क्यूबा को तेल आपूर्ति पर ट्रंप की चेतावनी, अमेरिका से समझौते की सलाह

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अब उसे वेनेजुएला से न तो तेल मिलेगा और न ही आर्थिक सहायता। साथ ही उन्होंने क्यूबा को अमेरिका के साथ समझौता करने की भी सलाह दी है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि वेनेजुएला से वर्षों तक तेल और धन पर निर्भर रहने वाला क्यूबा अब उस समर्थन से वंचित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि क्यूबा के लिए बेहतर होगा कि वह 'बहुत देर होने से पहले' अमेरिका से समझौता कर ले। दरअसल, क्यूबा लंबे समय से वेनेजुएला से तेल आयात करता रहा है। हाल के घटनाक्रम में अमेरिकी कार्रवाई के बाद वेनेजुएला की अंतरिम सरकार ने अपना तेल अमेरिका को भेजना शुरू कर दिया है, जिससे क्यूबा की ऊर्जा आपूर्ति पर संकट गहराता दिख रहा है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के आकलन के अनुसार, क्यूबा की अर्थव्यवस्था पहले से ही बिजली कटौती, व्यापार प्रतिबंधों और संसाधनों की कमी से जूझ रही है। कृषि और पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्र गंभीर दबाव में हैं। ऐसे में वेनेजुएला से तेल की आपूर्ति रुकना क्यूबा की सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

बांग्लादेशः फिलिस्तीन समर्थकों की हिदायत, 'यूनुस सरकार गाजा स्टेबिलाइजेशन फोर्स से बनाए दूरी'

ढाका । बांग्लादेश में फिलिस्तीन के समर्थन में सक्रिय समूह 'पैलेस्टाइन सोलिडैरिटी कमेटी' ने सरकार को स्पष्ट हिदायत दी है कि वह प्रस्तावित गाजा स्टेबिलाइजेशन फोर्स (अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल) में किसी भी प्रकार की भागीदारी न करे। समिति का कहना है कि बांग्लादेश का ऐतिहासिक और नैतिक रुख हमेशा से फिलिस्तीनी जनता के पक्ष में रहा है और ऐसे किसी अंतरराष्ट्रीय सैन्य या सुरक्षा ढांचे में शामिल होना इस परंपरागत नीति के विपरीत होगा। मीडिया आउटलेट 'द डेली स्टार' के अनुसार, 'पैलेस्टाइन सॉलिडैरिटी कमेटी,' बांग्लादेश ने अंतरिम सरकार की गाजा के लिए प्रस्तावित इंटरनेशनल स्टेबिलाइजेशन फोर्स में शामिल होने की दिलचस्पी की कड़ी निंदा की। समिति ने अपने बयान में कहा कि गाजा इस समय गंभीर मानवीय संकट से गुजर रहा है, जहां आम नागरिक लगातार हिंसा, विस्थापन और बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना कर रहे हैं। ऐसे हालात में किसी 'स्टेबिलाइजेशन फोर्स' का गठन, जो जमीनी सच्चाई में सैन्य उपस्थिति बढ़ा सकता है, शांति के बजाय तनाव को और गहरा कर सकता है। समिति के अनुसार, फिलिस्तीन की समस्या का समाधान सैन्य हस्तक्षेप से नहीं बल्कि न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन से ही संभव है।

डोनाल्ड ट्रंप ने खुद को बताया 'वेनेजुएला का एक्टिंग प्रेसिडेंट', शेयर की एडिटेड फोटो

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक फोटो शेयर की है जिसमें उन्हें 'वेनेजुएला का एक्टिंग प्रेसिडेंट' दिखाया गया है। यह फोटो विकिपीडिया की एक एडिटेड पेज की लग रही है, जिसमें ट्रंप को जनवरी 2026 तक 'वेनेजुएला का राष्ट्रपति' दिखाया गया है। इसमें उनके असली ऑफिशियल पद, यूनाइटेड स्टेट्स के 45वें और 47वें राष्ट्रपति का भी जिक्र है। यह सब ट्रंप की उन टिप्पणियों के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यूनाइटेड स्टेट्स वेनेजुएला की लीडरशिप के साथ बहुत अच्छे से काम कर रहा है। साथ ही, उन्होंने बेहतर होते संबंधों के संकेत के तौर पर तेल शिपमेंट और चल रही डिप्लोमैटिक बातचीत का जिक्र किया था।

जब एयर फोर्स वन में पत्रकारों ने ट्रंप से काराकस में नई लीडरशिप के साथ रिश्तों के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा, 'वेनेजुएला में सब कुछ बहुत अच्छा चल रहा है। हम लीडरशिप के साथ बहुत अच्छे से काम कर रहे हैं और देखेंगे कि आगे सब कैसा रहता है।' यह सवाल अमेरिका के उस हमले के बाद पूछा गया था जिसने निकोलस मादुरो को वेनेजुएला के नेता के पद से हटा दिया था। ट्रंप ने बताया कि वेनेजुएला ने अमेरिका से तेल की एक बड़ी खेप लेने के लिए कहा था। उन्होंने कहा, 'उन्होंने हमसे पूछा, क्या हम 50 मिलियन बैरल तेल ले सकते हैं? और मैंने कहा, हां, हम ले सकते हैं।' ट्रंप ने कहा कि तेल कंपनियों ने वेनेजुएला में काफी दिलचस्पी दिखाई है। एनर्जी कंपनियों को दिए गए भरोसे पर, ट्रंप ने कहा कि गारंटी है कि वे सुरक्षित रहेंगे, कोई समस्या नहीं होगी।

आइस के विरोध में न्यूयॉर्क की सड़कों पर उतरे हज़ारों लोग

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क में हज़ारों प्रदर्शनकारियों ने मिनियापोलिस में रेनी गुड नाम की महिला की 'आइस' एजेंट के हाथों हुई हत्या के खिलाफ सेंट्रल पार्क से लेकर मैनहट्टन तक मार्च निकाला और ट्रंप प्रशासन का विरोध किया। उल्लेखनीय है कि एक आव्रजन एवं सीमाशुल्क प्रवर्तन (आइस) एजेंट ने मिनेसोटा के मिनियापोलिस शहर में बुधवार को कार में बैठी 37 वर्षीय महिला पर गोली चलाई थी, जिससे उसकी जान चली गयी थी। इस घटना के बाद विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी सहित समाज के कई तबकों ने आइस और ट्रंप प्रशासन की आलोचना की है। न्यूयॉर्क में हुए विरोध प्रदर्शन में रेनी गुड की हत्या के साथ-साथ राष्ट्रपति ट्रंप की सामूहिक निर्वासन नीतियों और वेनेजुएला में अमेरिका की सैन्य कार्रवाई का भी विरोध किया गया। रैली रविवार दोपहर को सेंट्रल पार्क के दक्षिण-पूर्वी कोने से शुरू हुई और शहर में भीड़ के आगे बढ़ने के साथ शांतिपूर्ण रही।

अमेरिका में विश्व हिन्दी दिवस एवं प्रवासी भारतीय दिवस आयोजित

एजेंसी

सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका)। सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका) के आईसीसी हॉल, मिलपिटस एरिया में, विश्व हिन्दी दिवस एवं प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर शनिवार को एक भव्य सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में हिस्सा लेते हुए सैन फ्रांसिस्को से गुवाहाटी निवासी जाने-माने समाजसेवी डॉ. प्रेमकांत चौधरी ने रविवार को हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि इस गरिमामय समारोह में प्रवासी भारतीय समुदाय के लगभग 16 संस्थाओं ने संयुक्त सहभागिता करते हुए हिन्दी भाषा, भारतीय संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत को समर्पित मनोहारी प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत के महावाणिज्यदूत, सैन फ्रांसिस्को के डॉ. के. क्रिकर रेड्डी एवं उप-महावाणिज्यदूत राकेश अदलखा द्वारा यूपीएमए के अध्यक्ष रितेश टंडन के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। दीप प्रज्वलन के उपरांत विभिन्न राज्यों तथा प्रवासी भारतीय संगठनों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभागार को भारतीय संस्कृति के गौरवपूर्ण रंगों से आलोकित कर दिया। इस अवसर पर डॉ. के. क्रिकर रेड्डी ने शुद्ध हिन्दी में संबोधन करते हुए भारतीय वाणिज्यदूतावास द्वारा प्रवासी भारतीयों के लिए उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विश्व स्तर पर हिन्दी के प्रचार-प्रसार में निरंतर वृद्धि हो रही है, जो अत्यंत उत्साहजनक है। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शुभकामना संदेश पढ़कर सुनाया। तत्पश्चात उन्होंने मंच पर उपस्थित सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को औपचारिक भेंट एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समिति के मुख्य सलाहकार, बिहार फाउंडेशन गुवाहाटी चैप्टर के सचिव तथा रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी वेस्ट के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में क्लब एम्बेसडर डॉ. प्रेम कांत चौधरी ने अतिथियों को मिथिला पेंटिंग युक्त दोपट्टा भेंट कर तथा बिहार फाउंडेशन एवं रोटरी क्लब की ओर से असमिया फूलम गामोछा से सम्मानित किया। उन्होंने असम और बिहार की सांस्कृतिक एकता को रेखांकित किया तथा विश्व हिन्दी दिवस और प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर एक भावपूर्ण कविता का पाठ किया, जिसे श्रोताओं ने तालियों के साथ सराहा। बिहार फाउंडेशन वेस्ट कोस्ट (कैलिफ़ोर्निया अमेरिका) के चेयरमैन आरके सिन्हा ने भी कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए हिन्दी को भारतीय पहचान और सांस्कृतिक एकता की सशक्त धूरी बताया। उन्होंने कहा कि प्रवासी भारतीयों ने विदेश में रहते हुए भी हिन्दी भाषा और भारतीय मूल्यों को जीवंत बनाए रखा है। कार्यक्रम में प्रस्तुत कविताएं, गीत एवं नृत्य प्रस्तुतियां हिन्दी की सृजनात्मक शक्ति और भारतीय संस्कृति की विविधता का सजीव प्रमाण रहीं।

काठमांडू के मेयर बालेन शाह देंगे इस्तीफा, केपी ओली के खिलाफ चुनाव लड़ने की तैयारी में

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह (बालेन) मेयर पद से इस्तीफा देकर आगामी आम चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के खिलाफ झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। उनके सचिवालय के अनुसार, वह इसके लिए आवश्यक तैयारी में जुटे हुए हैं। झापा-5 नेकपा (एमाले) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली का निर्वाचन क्षेत्र है। ओली यहां से लगातार निर्वाचित होते रहे हैं। सचिवालय ने बताया कि बालेन उसी निर्वाचन क्षेत्र में मुकाबला करने की तैयारी के तहत झापा के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ लगातार चर्चा कर रहे हैं। भी बालेन ने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) झापा के अध्यक्ष प्रकाश पाठक सहित अन्य नेताओं से बातचीत की। बालेन के निजी सचिव भूपदेव शाह ने कहा, 'मेयर साहब झापा-5 से केपी ओली के खिलाफ चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। हमारी टीम वहां मत सर्वेक्षण भी कर रही है। इसी क्रम में आज भी उन्होंने वहां के नेताओं से मुलाकात कर स्थिति को समझा।' शाह के अनुसार, वह 19 जनवरी तक अपने पद से इस्तीफा देकर 20 तारीख को नामांकन दाखिल करने के लिए झापा जाने की योजना बना रहे हैं।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने नौकरशाही के सामने घुटने टेकेः टीआईबी

एजेंसी

ढाका। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश (टीआईबी) के कार्यकारी निदेशक इफ्तेखारुज्जमां ने आज कहा कि अंतरिम सरकार ने असल में नौकरशाही के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। अंतरिम सरकार राज्य पुनर्गठन के नाम पर किए गए अपने अधिकतर सुधार लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रही है। अहम सवाल यह है कि यह आत्मसमर्पण क्यों हुआ और असली कमजोरी कहां है।

द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि उनके पास इसका कोई पक्का जवाब नहीं है, क्योंकि वह सरकार की अंदरूनी फैसले लेने की प्रक्रिया का हिस्सा नहीं हैं। इफ्तेखारुज्जमां ने कहा कि हालांकि बांग्लादेश में औपचारिक रूप से एक सलाहकार परिषद या कैबिनेट है, लेकिन असली अधिकार उसके पास नहीं है। उन्होंने धनमंडी 27 में टीआईबी के ऑफिस में अंतरिम सरकार के उद्देश्यों को तय करने में सुधार के प्रति उदासीनता शीर्षक से एक लिखिति सामग्री भी बंटवाई। उन्होंने कहा कि औपचारिक अधिकार और कार्यकारी शक्ति के बीच एक साफ अंतर है। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण फैसले सलाहकार परिषद नहीं लेती है। असल में यह फैसले राज्य मशीनरी के अंदर काम करने वाले बहुत शक्तिशाली व्यक्तियों या समूहों द्वारा लिए जाते हैं। भ्रष्टाचार विरोधी सुधार आयोग का जिक्र करते हुए इफ्तेखारुज्जमां ने कहा कि इस संस्था को प्रभावी बनाने के लिए एक स्पष्ट और रणनीतिक प्रतिबद्धता की कमी इस व्यापक सिलसिले को दिखाती है। उन्होंने कहा, अगर आयोग को कम से कम भी वैसे काम करने दिया जाता जैसा कि सोचा गया था, तो यह जड़ जमा चुके राजनीतिक और संस्थागत भ्रष्टाचार को सीधे चुनौती देता। उन्होंने कहा, कई मामलों में अधीनस्थ लोग अपने औपचारिक वरिष्ठों से अधिक शक्तिशाली हो जाते हैं। मेरा पक्का मानना है कि पूरा देश सुधार चाहता है।

नेपाली कांग्रेस के विशेष महाधिवेशन में देउवा नेतृत्व वाली केंद्रीय समिति भंग का प्रस्ताव

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस का दूसरा विशेष महासम्मेलन शेर बहादुर देउवा के नेतृत्व वाली वर्तमान केंद्रीय कार्यसमिति को भंग करने जा रहा है। काठमांडू के भृकुटीमंडप में महाधिवेशन की शुरुआत में सोमवार को पारित कार्यविधि में इसकी प्रक्रिया तय की गई है। कार्यविधि के बिंदु 5(घ) के अनुसार नेपाली कांग्रेस के 14वें महाधिवेशन 2078 में निर्वाचित वर्तमान केंद्रीय कार्यसमिति का कार्यकाल समाप्त हो चुका है, इसलिए उसे भंग करके पार्टी के 15वें महाधिवेशन के पूर्ण होने तक नई केंद्रीय समिति का चुनाव किया जाएगा। कार्यविधि में नई केंद्रीय कार्यसमिति के निर्वाचन का ढांचा भी स्पष्ट किया गया है। इसके तहत 14वें महाधिवेशन के बाद विभिन्न तिथियों में गठित केंद्रीय निर्वाचन समिति, केंद्रीय अनुशासन समिति तथा लेखा समिति को नेपाली कांग्रेस विधान, 2017 (संशोधित) के अनुरूप भंग किया जाएगा। विधान के अनुच्छेद 35 के अनुसार विशेष केंद्रीय महासम्मेलन के दौरान नई केंद्रीय कार्यसमिति के चुनाव के लिए एक समन्वयक सहित पांच सदस्यीय निर्वाचन समिति का गठन किया जाएगा। इसके साथ ही सम्मेलन में लिए गए निर्णयों की समीक्षा एवं सत्यापन के लिए एक समन्वयक सहित पाँच सदस्यीय निर्णय सत्यापन समिति भी बनाई जाएगी। कार्यविधि में यह भी प्रावधान किया गया है कि वर्तमान केंद्रीय कार्यसमिति और केंद्रीय कार्य निष्पादन समिति द्वारा पहले लिए गए निर्णयों की आवश्यकता अनुसार समीक्षा, संशोधन या निरस्तीकरण किया जा सकता है। साथ ही विशेष केंद्रीय महाधिवेशन की वैधता की औपचारिक स्वीकृति का भी प्रावधान रखा गया है। इस कार्यविधि के पारित होने के साथ ही नेपाली कांग्रेस ने अपने 15वें महाधिवेशन से पहले नए नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया को औपचारिक रूप से आगे बढ़ा दिया है।

ईरान में उग्र विरोध प्रदर्शन पर राष्ट्रपति पेजेशकियान की सख्त चेतावनी, अमेरिका-इजराइल पर लगाए आरोप

एजेंसी

तेहरान। ईरान में लगातार तीन दिनों से जारी उग्र विरोध प्रदर्शनों के बीच राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कड़ा रुख अपनाते हुए दंगाइयों और आतंकवादियों की आड़ में अशांति फैलाने वालों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजराइल ईरान में अफरा-तफरी फैलाने के उद्देश्य से इन दंगों को हवा दे रहे हैं। राष्ट्रपति ने ईरानी जनता से अपील की कि वे ऐसे तत्वों से दूरी बनाकर रखें जो समाज में गड़बड़ी और हिंसा फैलाना चाहते हैं। राष्ट्र के नाम संबोधन में राष्ट्रपति पेजेशकियान ने कहा कि सरकार जनता की मांगों और चिंताओं को गंभीरता से सुन रही है और उन्हें दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि दंगाइयों को कानून-व्यवस्था बिगाड़ने और समाज को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईरान के सरकारी टीवी चैनल को दिए एक इंटरव्यू में राष्ट्रपति ने कहा, 'ईरानियों को यह समझना होगा कि सरकार न्याय चाहती है। लोग फिक्रमंद हैं और हम भी उनकी चिंताओं को महसूस करते हैं। हम शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए तैयार हैं और उनकी हर बात सुनी जाएगी, लेकिन दंगाई पूरे ईरानी समाज को बर्बाद करने की कोशिश कर रहे हैं।' इस बीच, सरकारी कार्रवाई को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कथित तौर पर 100 से अधिक लोगों की मौत हुई है। विरोध प्रदर्शनों की शुरुआत के बाद पहली बार राष्ट्रपति पेजेशकियान ने जनता को राहत देने के उद्देश्य से एक आर्थिक योजना भी पेश की है। लंबे समय से प्रतिबंधों की मार झेल रहे ईरान में आर्थिक हालात बेहद खराब हैं और महंगाई व बेरोजगारी ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सरकार का कहना है कि यह योजना आर्थिक तंगी से जूझ रहे नागरिकों को कुछ राहत पहुंचाने की दिशा में पहला कदम है। राष्ट्रपति के इस बयान से साफ है कि ईरान में सरकार एक ओर सख्ती बरतने के मूड में है, वहीं दूसरी ओर जनता से संवाद और आर्थिक राहत के जरिए हालात को संभालने की कोशिश भी कर रही है।

ईरान में खामेनेई के खिलाफ प्रदर्शन जारी, हिंसा में अब तक 538 की मौत

तेहरान (ईरान)। ईरान में सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के धर्मतंत्र को चुनौती देने वाले देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के दौरान शनिवार रात और रविवार सुबह देश की राजधानी और दूसरे सबसे बड़े शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए। अमेरिकी ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, 28 दिसंबर से हो रहे प्रदर्शनों से जुड़ी हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 538 हो गई है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान में इंटरनेट बंद होने और फोन लाइनें कटी होने के कारण दूसरे देशों से सही स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया है। प्रदर्शनकारियों और ईरान के सुरक्षा बलों के बीच झड़पों में मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि मारे गए लोगों में से 490 प्रदर्शनकारी और 48 सुरक्षा बलों के सदस्य हैं। अब तक 10,600 अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया है। ईरानी सरकार ने हताहतों की कोई समग्र संख्या नहीं बताई है।

बीआरएएस ने पाकिस्तानी सेना पर 174 हमलों की जिम्मेदारी ली, 167 सैनिकों को मार गिराने का किया दावा

एजेंसी

क्वेटा । बलूचिस्तान में आजादी के समर्थक हथियारबंद ग्रुप्स के एक अलायंस, बलूच राजी आजोई संगर (बीआरएएस) ने 2025 में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर 174 हमलों की जिम्मेदारी ली है। ग्रुप का दावा है कि उसने 167 सैन्य और खुफिया विभाग के लोगों को मार गिराया है। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी। ग्रुप ने कहा कि इन हमलों में पूरे प्रांत में 95 पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारी घायल हुए। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बीआरएएस ने 2025 के लिए अपनी नवीनतम इंफोग्राफिक रिपोर्ट में कहा कि उसके लड़ाकों ने हमलों के दौरान 26 लोगों को भी पकड़ा, जिनमें पाकिस्तानी खुफिया विभाग के सदस्य भी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बीआरएएस ने 35 धमाके, 14 छापे और 35 घेराबंदी और तलाशी अभियान को अंजाम दिया। इसमें 15 बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया गया, 30 पाकिस्तानी सरकारी और सैन्य गाड़ियां नष्ट कर दी गईं और 51 हथियार जब्त कर लिए गए।

द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बीआरएएस ने दावा किया कि अगस्त 2025 में, बलूचिस्तान में एक बड़े हमले में, उसके लड़ाकों ने खुजदार के जेहरी शहर पर एक महीने से ज्यादा समय तक कब्जा जमा कर रखा था। ग्रुप ने बड़ी संख्या में गाड़ियों, हथियारों और सैन्य उपकरणों को जब्त करने का दावा किया और कहा कि उसके लड़ाकों ने अपने पूर्ण नियंत्रण वाले इलाके में गश्त की और सार्वजनिक मंच से लोगों को संबोधित भी किया। पिछले हफ्ते, बीआरएएस अलायंस से जुड़े हथियारबंद ग्रुप्स ने भी अपनी 2025 की सालाना ऑपरेशन रिपोर्ट जारी की थी।

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की रिपोर्ट के मुताबिक, उसके लड़ाकों ने पिछले साल 521 हमले किए, जिसमें 1,060 से ज्यादा पाकिस्तानी सैन्यकर्मी मारे गए और 556 से ज्यादा घायल हुए।

ग्रुप ने कहा कि गाड़ियां, क्वाडकॉप्टर, सर्विलांस टावर और सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिए गए, और 208 हथियार जब्त किए गए।

बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने भी 2025 में बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ 581 हथियारबंद हमलों की जिम्मेदारी ली, जिसमें 929 लोग मारे गए। इनमें 647 सुरक्षाकर्मी मारे गए और 282 लोग घायल हुए।

जनवरी से दिसंबर 2025 की सालाना ऑपरेशनल रिपोर्ट में, बीएलएफ ने कहा कि इन अभियानों से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को जान-माल का काफी नुकसान हुआ।

एक मीडिया बयान में, बीएलएफ प्रवक्ता मेजर ग्वाहरम बलूच ने बलूचिस्तान के 'नेशनल रेजिस्टेंस स्ट्रगल' कहे जाने वाले ग्रुप की उपलब्धियों को सराहा और 2025 को 'निर्णायक और असाधारण वर्ष' बताया।

अमेरिका में ईरान के प्रदर्शनकारियों के समर्थन में रैली, भीड़ में घुसा ट्रक

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के लॉस एंजिल्स के वेस्टवुड इलाके में ईरान के प्रदर्शनकारियों के समर्थन में आहूत रैली में एक ट्रक घुस गया। रविवार दोपहर विल्शायर बुलेवार्ड के 11000 ब्लॉक में विल्शायर फेडरल बिल्डिंग के बाहर होने वाली रैली में शामिल होने के लिए सैकड़ों लोग जुटे थे। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान एक ड्राइवर ने कथित तौर पर भीड़ में ट्रक घुसा दिया। इस घटना में दो लोग घायल हो गए। लॉस एंजिल्स दमकल विभाग के अनुसार, ट्रक दोपहर लगभग 3:30 बजे से वेटरन एवेन्यू और ओहियो एवेन्यू के पास फेडरल बिल्डिंग से लगभग एक ब्लॉक दूर भीड़ में घुस गया। अधिकारियों ने अभी तक इस घटना के संबंध में किसी की भी गिरफ्तारी की सूचना नहीं दी है, लेकिन सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में अधिकारियों को एक व्यक्ति को हिरासत में लेते हुए दिखाया गया है। इस व्यक्ति को ट्रक से नीचे उतारकर ले जाया गया। इस दौरान भीड़ ने उस पर हमला करने की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि ट्रक के ड्राइवर से पूछताछ की जा रही है। इस घटना के बाद शाम 4:30 बजे रैली की गई। लोगों ने ईरान की आजादी के नारे लगाए। कुछ लोगों ने ईरानी झंडा भी लहराया।

अमेरिका ने कहा- ईरान ने सारी हदें पार की, सैन्य आक्रमण के मजबूत विकल्पों पर विचार

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान ने सारी हदें पार कर दी हैं। निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। अब बर्दाश्त करना मुश्किल है। अमेरिकी सेना ईरान के खिलाफ हमले के लिए मजबूत विकल्पों पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि इस्लामिक गणराज्य ने इंटरनेट सेवा बंद कर दी है। वह एलन मस्क से स्टारलिंक के लिए बात करेंगे।

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, '' अमेरिका ईरान को लेकर बहुत ही मजबूत विकल्पों पर विचार कर रहा है। वहां के शासन ने सारी हदें पार कर दी हैं। अब फैसला लेने का वक्त आ गया है।'' उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों की हत्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सर्वोच्च नेता अली खामेनेई का नाम लिए बिना कहा कि ईरान के नेता हिंसा के जरिये राज करते हैं।उन्होंने ईरान की हमले की धमकी के बारे में पूछे जाने पर कहा, अगर ईरान ऐसा करता है तो उस पर अब तक का सबसे बड़ा आक्रमण किया जाएगा।'' ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के प्रदर्शनकारियों को स्टारलिंक की सुविधा उपलब्ध कराने के बारे में एलन मस्क से बात करेंगे।

नेपाल के पूर्व गोरखा सैनिक और दिव्यांग पर्वतारोही हरि बुद्ध मगर ने रचा इतिहास

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के रोल्पा जिले के मिरुल गांव में 46 वर्ष पहले जन्मे हरि बुद्ध मगर आज साहस और जिजीविषा का प्रतीक बन चुके हैं। पूर्व गोरखा सैनिक मगर ने अंटार्कटिका स्थित माउंट विंसन (4,892 मीटर) पर तीन दिन की कठिन चढ़ाई पूरी कर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 06 जनवरी को शिखर पर पहुंचकर अपने लक्ष्य को पूरा किया। माउंट विंसन के शिखर पर नेपाल का झंडा फहराने के बाद उन्होंने उस क्षण को जादुई बताया। उन्होंने कहा, 'जहां तक नजर जाती थी, बर्फ ही बर्फ थी। वह अनुभव स्वर्ग जैसा था।' मगर 06 जनवरी की रात 10 बजे अपने नेपाली पर्वतारोहण दल के साथी अभिरल राय, मिंगमा शेरपा और जांगबू शेरपा के साथ माउंट विंसन के शिखर पर पहुंचे। वे अंटार्कटिका के यूनियन ग्लेशियर बेस कैंप से रवाना हुए थे। इस कैंप पर 24 घंटे दिन रहता है। मगर ने दोनों घुटनों के ऊपर से पैर कटने के बावजूद सातों महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बनने का कीर्तिमान बनाया है। इस दौरान उन्होंने माइनस-25 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान को भी सहन किया। उन्होंने कहा, 'अपनी क्षमताओं को पहचानकर हम हर दिन अपने सपनों के एवरेस्ट पर चढ़ सकते हैं। मैं इस बात का जीवंत प्रमाण हूं कि कड़ी मेहनत सफलता दिलाती है।' मगर ने वर्ष 2010 में अफगानिस्तान में ब्रिटिश सेना के साथ सेवा के दौरान आईईडी विस्फोट में घायल होने के बाद अपने दोनों पैर खो दिए थे। इसके बाद उन्होंने कई वर्षों तक शारीरिक और मानसिक रूप से कड़ा प्रशिक्षण लेकर इस रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धि की तैयारी की। अपने संघर्ष को याद करते हुए उन्होंने कहा कि दिव्यांगता को कभी भी महत्वाकांक्षाओं की सीमा नहीं बनना चाहिए। माउंट विंसन की चढ़ाई के दौरान की कठिनाइयों को याद करते हुए उन्होंने बताया कि तेज हवाओं और अत्यधिक ठंड ने उन्हें अपनी सीमाओं तक पहुंचा दिया। मेरी उंगलियां जम गई थीं और चेहरे पर ठंड से जलन हो रही थी। कई बार मुझे खुद पर संदेह हुआ। उन्होंने बताया कि अडिग आत्मविश्वास ने ही उन्हें इन परिस्थितियों से उबारा। युद्धकालीन अनुभवों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि हर कार्य में चुनौतियां होती हैं, लेकिन स्वयं पर विश्वास और अथक प्रयास से सफलता संभव है।

उन्होंने कहा, ' मुझे विश्वास है कि इससे नेपाल का गौरव भी बढ़ेगा। इस यात्रा में साथ देने वाले सभी लोगों का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।' मगर ने अपनी 'सेवन समिट्स' यात्रा की शुरुआत 13 अगस्त 2019 को फ्रांस के मों ब्लां (4,809 मीटर) से की। इसके बाद उन्होंने 08 जनवरी 2020 को तंजानिया के किलिमंजारो (5,895 मीटर) और 19 मई 2023 को माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) पर चढ़ाई की।

मगर ने 28 जून 2024 को उत्तरी अमेरिका के डेनाली (6,190 मीटर), 22 फरवरी 2025 को दक्षिण अमेरिका के अकोंकागुआ (6,961 मीटर) और न्यू गिनी के पंकक जया (4,884 मीटर) को फतह किया। अंत में इस साल छह जनवरी को अंटार्कटिका के माउंट विंसन पर चढ़कर मिशन पूरा किया। उन्होंने यह उपलब्धि विश्वभर के दिव्यांग समुदाय को समर्पित करते हुए कहा कि यह सगरमाथा की धरती से साहस और दृढ़ता का शक्तिशाली संदेश है।

page 1 and 8 jan 13_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/13/2026 12:36 AM Page 2

लोहड़ी और मकर संक्रांति पर विशेष है तिल फसल का महत्व

1. तिल फसल का इतिहास; उत्पति और फैलाव

तिल दुनिया की सबसे प्राचीन खेती वाली फसलों में से एक है, जिसकी उत्पत्ति भारत (सिंधु घाटी) और अफ्रिका में हुई मानी जाती है, जहाँ इसकी खेती 5,000 साल से भी पहले से होती आ रही है।आज भी यह भारत, चीन, सूडान, म्यांमार जैसे देशों में प्रमुखता से उगाया जाता है और यह प्राचीन बेबीलोन, मिस्र, चीन व रोम जैसी सभ्यताओं में भी तेल और अनाज के रूप में प्रयोग होता था;

अपने पोषक तत्वों, तेल और धार्मिक उपयोगों के लिए महत्वपूर्ण है।

ऐतिहासिक महत्व प्राचीन सभ्यताओं में

भारत में इसकी खेती का इतिहास सबसे लंबा है, और यह फसल संस्कृतियों और धर्म का अभिन्न अंग रही है।

तिल का उपयोग प्राचीन मिस्र, बेबीलोन, असीरिया, चीन और रोम में भी होता था, जहाँ इसे तेल, अनाज, और जादुई व धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल किया जाता था।

खुला तिल मुहावरा

इसकी फली पकने पर फटकर बीज बिखेर देती है, जिससे खुला तिल मुहावरा बना, जैसा कि अली बाबा और चालीस चोर की कहानी में है।

उत्पत्ति और फैलाव

उत्पत्ति

माना जाता है कि तिल की उत्पत्ति भारत या पूर्वी अफ्रीका (इथियोपिया-सूडान) में हुई, और इसके जंगली रिश्तेदार उप-सहारा अफ्रीका में पाए जाते हैं।

प्रमुख उत्पादक

भारत, चीन, सूडान, म्यांमार, और तंजानिया आज भी इसके प्रमुख उत्पादक देश हैं।

उपयोग और गुण

पोषक तत्वों से भरपूर

तिल में 50% तक तेल, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट होते हैं, साथ ही कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन जैसे खनिज भी पाए जाते हैं।

बहुमुखी उपयोग

इसका तेल खाना पकाने, साबुन, दवाइयों और सौंदर्य प्रसाधनों में; बीज ब्रेड, मिठाइयों (जैसे हलवा) और विभिन्न व्यंजनों में इस्तेमाल होते हैं।

सूखा-प्रतिरोधी

यह गर्म और शुष्क परिस्थितियों में भी उगता है, जहाँ अन्य फसलें विफल हो जाती हैं, इसलिए इसे जीवित फसल भी कहते हैं।

आधुनिक विकास

तकनीकी प्रगति

1943 में टूटने-प्रतिरोधी किस्म की खोज से यांत्रिक कटाई के लिए रास्ते खुले, जिससे अमेरिका जैसे देशों में खेती बढ़ी।

संक्षेप में, तिल एक प्राचीन, पौष्टिक और बहुउपयोगी फसल है जिसका इतिहास हजारों साल पुराना है और यह दुनिया भर की संस्कृतियों में गहराई से जुड़ा हुआ है।

2. भारत में तिल फसल का महत्व

भारत में तिल की फसल का महत्व बहुत ज्यादा है क्योंकि यह कम लागत, कम पानी में उगने वाली, सूखा-सहिष्णु और उच्च पोषण वाली फसल है, जो किसानों को अच्छा मुनाफा देती है और जिसका तेल भोजन, दवाइयों, साबुन व सौंदर्य प्रसाधनों में इस्तेमाल होता है, जिससे यह खाद्य सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह खरीफ, रबी और गर्मियों में उगाई जा सकती है, जिससे यह विभिन्न जलवायु और मिट्टी के लिए उपयुक्त है और देश के कई रायों (जैसे मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु) में उगाई जाती है।

आर्थिक और कृषि महत्व

उच्च लाभ

कम लागत (पानी, खाद, कीटनाशक) और अच्छे बाजार मूल्य के कारण यह किसानों के लिए लाभदायक है।

सूखा-सहिष्णु

यह फसल कम पानी और शुष्क परिस्थितियों में भी अच्छी उपज देती है, जो इसे सूखे इलाकों के लिए वरदान बनाती है।

बहु-मौसमी फसल

विभिन्न जलवायु क्षेत्रों के अनुसार तिल की फसल खरीफ, रबी और गर्मियों में बोई जा सकती है।

रोजगार

इससे जुड़े उद्योग और व्यापार (तेल निष्कर्षण, उत्पाद निर्माण) रोजगार पैदा करते हैं।

पोषण और स्वास्थ्य लाभ

पोषक तत्वों से भरपूर

प्रोटीन, स्वस्थ वसा (ओमेगा-6), लिग्नान, टोकोफेरोल, विटामिन (जैसे विटामिन ई) और खनिजों (कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन) का अच्छा स्रोत है।

औषधीय गुण

मधुमेह-रोधी, सूजन-रोधी, उच्च कोलेस्ट्रॉल-रोधी गुण होते हैं; त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद है।

प्राचीन फसल

मानवता के लिए ज्ञात सबसे पुरानी तिलहन फसलों में से एक है तिल की फसल।

औद्योगिक उपयोग

खाद्य

तेल का उपयोग खाना पकाने, मार्जरीन बनाने में होता है।

अन्य उपयोग

साबुन, फार्मास्यूटिकल्स, पेंट, सौंदर्य प्रसाधन और स्नेहक में भी उपयोग होता है।

उप-उत्पाद

तेल निकालने के बाद बचा खली पशुओं के चारे के रूप में काम आता है।

कुल मिलाकर, तिल भारत की कृषि और अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय और विभिन्न उद्योगों को बढ़ावा देता है।

3. तिल के औषधीय गुण

तिल एक महत्वपूर्ण तिलहन फसल है। तिल के बीजऔषधीय गुणों से भरपूर होते हैं, जो हृदय, हड्डियों, पाचन और त्वचा-बालों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं, इनमें प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, ये शरीर को गर्मी देते हैं, प्रतिरक्षा बढ़ाते हैं, रक्त शर्करा और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, और इनमें जीवाणुरोधी गुण भी होते हैं जो घावों और मसूड़ों के लिए अच्छे हैं।

तिल के प्रमुख औषधीय गुण

पोषक तत्वों से भरपूर

तिल प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, आयरन और स्वस्थ फैटी एसिड का उत्कृष्ट स्रोत हैं, जो हड्डियों, मांसपेशियों और ऊतकों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

हृदय स्वास्थ्य

तिल में उपस्थित मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड हृदय को स्वस्थ रखते हैं और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

हड्डियों को मजबूत बनाए

कैल्शियम और मैग्नीशियम हड्डियों को मजबूत बनाते हैं, खासकर बढ़ती उम्र में।

पाचन में सहायक

फाइबर कब्ज से राहत दिलाता है, पाचन शक्ति में सुधार करता है और आंतों को साफ करता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता

एंटीऑक्सीडेंट्स और पोषक तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं।

त्वचा और बालों के लिए

तिल का तेल त्वचा को नमी देता है, रूखेपन से बचाता है और बालों के स्वास्थ्य में सुधार करता है, साथ ही बालों का झड़ना कम करता है।

शरीर को गर्मी दे

तिल की तासीर गर्म होती है, जो सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखने में मदद करती है।

मधुमेह नियंत्रण

इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित करके रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में सहायक है।

सूजन और दर्द कम करे

इसके सूजन-रोधी गुण जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

मसूड़ों और दांतों के लिए

जीवाणुरोधी गुण मसूड़ों की सूजन को कम करते हैं और दांतों को मजबूत बनाते हैं।

सूखी खांसी में तिल को मिश्री और पानी के साथ खाने से आराम मिलता है।

बचों के लिए- आयुर्वेद के अनुसार, जो बचे रात में बिस्तर गीला करते हैं, उन्हें लंबे समय तक तिल का सेवन कराना लाभकारी हो सकता है।

तिल के बीज चबाकर खाएं, लड्डू, चिक्की, या अन्य व्यंजनों में उपयोग करें।

तिल के तेल से मालिश करें या तेल की कुछ बूंदें गुनगुने पानी में मिलाकर पिएं (डॉक्टर की सलाह से)।

सावधानियां

तिल का अधिक सेवन कुछ लोगों को एलर्जी या पाचन संबंधी समस्याएँ दे सकता है।

मधुमेह या रक्तचाप की दवा लेने वाले लोग तिल का सेवन डॉक्टर की सलाह पर ही करें, क्योंकि यह दवाओं के प्रभाव को बढ़ा सकता है।

4. भारत में तिल फसल का उत्पादन

तिल की खेती प्रमुखता से की जाती है। की

भारत तिल का एक प्रमुख उत्पादक देश है, जहाँ मुख्य रूप से खरीफ (मानसून) मौसम में खेती होती है, जो कुल उत्पादन का लगभग 80% है, और कुछ रबी व गर्मियों की फसलें भी उगाई जाती हैं; प्रमुख उत्पादक राय मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश हैं, जहाँ उच्च गुणवत्ता वाले तिल का उत्पादन होता है और निर्यात भी किया जाता है, हालांकि मौसम और प्रतिस्पर्धी तेलों के दाम उत्पादन को प्रभावित करते हैं।जम्मू-कश्मीर में जम्मू संभाग के कंडी क्षेत्र में भी

प्रमुख उत्पादक राय

मध्य प्रदेश- क्षेत्रफल के हिसाब से अग्रणी,।

गुजरात- उच्च गुणवत्ता वाले सफेद तिल के लिए प्रसिद्ध और निर्यात में महत्वपूर्ण,।

पश्चिम बंगाल- प्रमुख उत्पादक रायों में से एक,।

राजस्थान- कुल तिलहन उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान,।

उत्तर प्रदेश- बुंदेलखंड क्षेत्र में विशेष उत्पादन,।

तमिलनाडु- प्रमुख उत्पादक राय,।

आंध्र प्रदेश- तिल की खेती में शामिल,।

खेती का मौसम)

खरीफ

जून-जुलाई में बुवाई और सितंबर-अक्टूबर में कटाई (मुख्य),।

रबी

दिसंबर-मार्च (कम मात्रा में),।

ग्रीष्म

कुछ क्षेत्रों में गर्मियों में भी खेती होती है,।

उत्पादन के कारक

मौसम- दक्षिण-पश्चिम मानसून सबसे महत्वपूर्ण है,।

कीमतें- सोया, पाम, सरसों जैसे अन्य तेलों की कीमतों का असर,।

तकनीक- सीधी बुवाई, सही दूरी और सिंचाई (यदि उपलब्ध हो) उपज बढ़ा सकती है,।

रोग- तिल फिलोडी रोग जैसी बीमारियाँ उपज को प्रभावित करती हैं,।

5. माघमास में तिल फसल का उपयोग-

माघ मास में तिल का धार्मिक और स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत महत्व है; इसका उपयोग स्नान, उबटन, हवन, दान, भोजन और तर्पण (गंगाजल में मिलाकर) में होता है, जिससे पाप, दोष और दुर्बलता दूर होती है, और शरीर को ठंड में ऊर्जा व शक्ति मिलती है, खासकर षट्तिला एकादशी और मौनी अमावस्या जैसे पर्वों पर इसका विशेष विधान है, जिससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और पितरों को शांति मिलती है.

धार्मिक उपयोग

स्नान

तिल मिलाकर स्नान करने से शरीर शुद्ध होता है और दोष मिटते हैं.

उबटन

तिल का उबटन लगाने से त्वचा को लाभ मिलता है और यह पवित्र माना जाता है.

हवन

तिल से हवन करने पर देवताओं का आशीर्वाद मिलता है और यह हविष्य अन्न कहलाता है.

दान

माघ मास में तिल का दान करना अत्यंत शुभ होता है, जिससे शनि और सूर्य दोष दूर होते हैं.

तर्पण

मौनी अमावस्या पर तिल और कुश के साथ पितरों का तर्पण करने से वे संतुष्ट होते हैं.

पूजा

भगवान विष्णु को तिल अर्पित करना और तिल-गुड़ का भोग लगाना लाभकारी है.

तिल के वैज्ञानिक लाभ

ऊर्जा

तिल शरीर को गर्मी और ऊर्जा प्रदान करते हैं, जो सर्दियों के लिए उत्तम है.

शक्ति

तिल-गुड़ का सेवन करने से मानसिक दुर्बलता, तनाव कम होता है और शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है.

बालों और त्वचा के लिए

तिल का तेल बालों को घना और चमकदार बनाता है, साथ ही त्वचा को नमी देता है.

विशेष पर्व

षट्तिला एकादशी

इस दिन तिल का छह तरीकों (स्नान, उबटन, हवन, अर्घ्य, भोजन, दान) से उपयोग किया जाता है.

मौनी अमावस्या

इस दिन पितरों के लिए तिल से तर्पण का विधान है.

संक्षेप में, माघ मास में तिल का उपयोग केवल भोजन तक सीमित नहीं, बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा को शुद्ध करने वाला एक पवित्र और शक्तिशाली माध्यम है.

6. धर्म ग्रंथों में तिल फसल का वर्णन-

धर्म ग्रंथों में तिल को सृष्टि का पहला अन्न और एक पवित्र फसल माना गया है, जिसका यज्ञ-हवन, श्राद्ध, तर्पण, आयुर्वेदिक उपचार और शनि-दोष निवारण में विशेष महत्व है; इसे अमृत समान माना जाता है और इसके तेल का उपयोग देवताओं को अर्पित करने, शरीर शुद्धि और बीमारियों से लड़ने के लिए होता है, जिससे पितृ प्रसन्न होते हैं और पुण्य मिलता है।

सृष्टि का पहला अन्न

पुराणों में ब्रह्मा द्वारा बनाए गए पहले अन्न के रूप में तिल का वर्णन है, जो इसे सभी अनाजों में श्रेष्ठ बनाता है।

अनुष्ठानों में अनिवार्य

हवन, पूजा और अन्य धार्मिक कार्यों में तिल का प्रयोग आवश्यक माना जाता है; मकर संक्रांति पर तिल मिश्रित जल से स्नान, तिल का दान और सेवन शुभ होता है।

पितरों और देवताओं के लिए

श्राद्ध-तर्पण में काले तिल का प्रयोग पितरों को प्रसन्न करता है और उन्हें स्वर्ग में स्थान दिलाता है; शिवजी को काले तिल चढ़ाने से कष्ट दूर होते हैं।

पाप मुक्ति

तिल के उपयोग से पापों से मुक्ति, शनि दोष का निवारण और नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है।

आयुर्वेदिक और वैज्ञानिक महत्व

स्वास्थ्यवर्धक

आयुर्वेद में तिल के तेल की मालिश से हड्डियाँ मजबूत होती हैं और त्वचा में चमक आती है, जबकि तिल का सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।

पोषक तत्वों से भरपूर

काले तिल में एंटीऑक्सीडेंट्स, कॉपर, मैग्नीशियम, आयरन और कैल्शियम जैसे कई विटामिन व खनिज होते हैं, जो जोड़ों के दर्द और बीमारियों से लड़ते हैं।

सुरक्षा कवच

तिल का तेल पराबैंगनी किरणों और विकिरण से शरीर की रक्षा करता है, इसलिए इसका उपयोग सौंदर्य प्रसाधनों और शिशु देखभाल में भी होता है।

प्राचीन युद्ध

सैनिकों को कठिन कार्यों के लिए शक्ति प्रदान करने हेतु तिल के बीज दिए जाते थे।

7. लोहड़ी पर्व मैं तिल का महत्व और उपयोग-

लोहड़ी पर्व पर तिल (खासकर काले तिल) का बहुत महत्व है, जिसे अग्नि में डालकर शुद्धता, अच्छे स्वास्थ्य और सौभाग्य की कामना की जाती है, यह नकारात्मक ऊर्जा दूर करता है और शरीर को गर्माहट देता है, तिल और गुड़ से बनी मिठाइयाँ (तिलगुल) बांटना एकता और सद्भावना का प्रतीक है, जिससे तिलोहड़ी शब्द बना, जो लोहड़ी का अभिन्न हिस्सा है और फसल उत्सव के साथ-साथ ठंड में पोषण भी देता है.

लोहड़ी में तिल का महत्व

धार्मिक महत्व

तिल को पवित्र माना जाता है; इसे लोहड़ी की आग में डालने से देवता प्रसन्न होते हैं, अच्छे स्वास्थ्य और बुरी नज़र से मुक्ति मिलती है, और घर में सुख-समृद्धि आती है.

पौराणिक कथा

माना जाता है कि भगवान विष्णु के शरीर से तिल उत्पन्न हुए हैं, इसलिए धार्मिक अनुष्ठानों में इनका प्रयोग होता है.

योतिषीय महत्व

काले तिल का उपयोग नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और नज़र दोष से बचने के लिए किया जाता है.

सांस्कृतिक महत्व

तिलोहड़ी (तिल + रोहड़ी/गुड़) शब्द से लोहड़ी बना, जो मिठास और सद्भाव बांटने का प्रतीक है.

लोहड़ी में तिल के उपयोग

अग्नि में अर्पण- लोहड़ी की पवित्र अग्नि में तिल, मूंगफली और गुड़ डालना एक महत्वपूर्ण रस्म है.

तिल-गुड़ के व्यंजन

तिल और गुड़ से बनी मिठाइयाँ (जैसे गजक, रेवड़ी) बनाकर खाई और बांटी जाती हैं, जो एकता का प्रतीक हैं.

स्वास्थ्य लाभ

सर्दियों में तिल का सेवन शरीर को अंदर से पोषण देता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और जोड़ों के दर्द से बचाता है (तासीर गर्म होने के कारण सीमित मात्रा में खाएं).

संक्षेप में, तिल लोहड़ी के सांस्कृतिक, धार्मिक और स्वास्थ्य पहलुओं का एक अभिन्न अंग है, जो उत्सव और परंपरा को मिठास और ऊर्जा प्रदान करता है.

इस प्रकार, धर्म ग्रंथों में तिल को केवल एक फसल नहीं, बल्कि एक पवित्र, औषधीय और जीवनदायिनी पदार्थ के रूप में वर्णित किया गया है, जिसका भारतीय संस्कृति में गहरा स्थान है।

- संकलन- शारदा लाल, भद्रवाह।